वर्ष 23, अंक 260, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 14 अक्टूबर 2024 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली परिवर्तनकारी पहल- मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने एक्स पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है।'

पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) को तीन साल पूरे हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। बता दें, प्रधानमंत्री ने 13 अक्टूबर 2021 को पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान की शुरूआत की थी। इसका उद्देश्य विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों को मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना था। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में तेज और अधिक प्रभावी विकास हुआ है।'

उन्होंने आगे कहा, 'विभिन्न हितधारकों के निर्बाध एकीकरण से लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा मिला है, देरी कम हुई है और कई लोगों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं।'

एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा,

'गतिशक्ति की बदौलत भारत विकसित भारत के हमारे विजन को पूरा करने के लिए गति बढ़ा रहा है। यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा।'

मोदी ने एक्स पर पोस्ट में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को भी टैग किया। गोयल ने इस पहल के तीन साल पूरे होने पर इसकी सराहना की। गोयल ने कहा, 'आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान शुरू किए तीन साल पूरे हो गए हैं।

लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने और कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाकर, यह अग्रणी पहल तेजी से और अधिक कुशल परियोजना कार्यान्वयन सुनिश्चित करती है।'

उन्होंने कहा कि यह एक आधुनिक, परस्पर जुड़े बुनियादी ढांचे के नेटवर्क को विकसित करने, विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

आमरण अनशन पर बैठे जूनियर डॉक्टर्स, हालत बिगड़ने के बाद तीन अस्पताल में भर्ती

कोलकाता

कोलकाता और राज्य के उत्तरी हिस्से में स्थित सिलीगुड़ी शहर में आमरण अनशन कर रहे जूनियर चिकित्सकों में से अब तक तीन को हालत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कोलकाता। स्थानीय आरजी कर अस्पताल की घटना के बाद अपनी मांगों को लेकर पश्चिम बंगाल के जूनियर चिकित्सकों का आमरण अनशन रविवार को नौवें दिन भी जारी है। इस बीच, राज्य के विभिन्न हिस्सों में लोग अनशनकारियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए सांकेतिक उपवास कर रहे हैं। कोलकाता और राज्य के उत्तरी हिस्से में स्थित सिलीगुड़ी शहर में ह्यआमरण अनशनह्ल कर रहे जूनियर चिकित्सकों में से अब तक तीन को हालत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टर्स फोरम के एक नेता ने कहा, उनकी (अनशनकारियों की) स्थिति खराब होती जा रही है, लेकिन राज्य प्रशासन बेपरवाह बना हुआ है। इस बीच, आरजी कर अस्पताल के पूर्व छात्रों का एक समूह आमरण अनशन पर बैठे छात्रों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए 12 घंटे के प्रतीकात्मक उपवास के लिए अस्पताल पहुंच गया है। उन्हें, हालांकि अदालत के आदेश के बाद अस्पताल में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। पूर्व छात्रों ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे अपने प्रस्तावित प्रतीकात्मक अनशन कार्यक्रम को जारी रखेंगे। इनमें से अधिकांश वरिष्ठ नागरिक हैं। मालदा और मुर्शिदाबाद जिले में कई लोग दिन में ह्लप्रतीकात्मक अनशनह्ल भी रख रहे हैं। आंदोलनकारी चिकित्सकों ने लोगों से उनके मुद्दे के प्रति एकजुटता और समर्थन दिखाने के लिए रविवार को खाना न पकाने का आग्रह किया है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर मुंबई पुलिस की पूछताछ में कई बड़े खुलासे

अंडरवर्ल्ड की एंट्री, बिश्नोई की प्लानिंग और 2.5 लाख की सुपारी

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की शनिवार (12 अक्टूबर 2024) रात मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी. यह घटना निर्मल नगर में कोलगेट मैदान के पास बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर हुई, जिसके बाद दो आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया.

निर्मल नगर में कोलगेट मैदान के पास बाबा सिद्दीकी के बेटे और विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर हुई इस घटना के तुरंत बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया. बाबा सिद्दीकी को गोली लगने के बाद उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. मुंबई के एक बड़े मुस्लिम नेता बाबा सिद्दीकी को सलमान खान, शाहरुख खान और संजय दत्त सहित कई बॉलीवुड सितारों के करीबी के रूप में भी जाना जाता था.

बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली है. इस पोस्ट में सलमान खान और दाऊद गैंग का भी जिक्र किया गया है. मुंबई पुलिस इस पोस्ट की जांच कर रही है.

मुंबई पुलिस ने उस जगह से छह खाली गोलियां बरामद की हैं, जहां 66 वर्षीय बाबा सिद्दीकी को गोली मारी गई थी. डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें सीने में तीन गोलियां लगी थीं. बाबा सिद्दीकी की कार बुलेट-प्रूफ होने के

बावजूद गोली शीशे के पार घुस गई. इस वारदात को अंजाम देने के लिए 9.9 एमएम पिस्टल का इस्तेमाल किया गया था. सूत्रों के मुताबिक बाबा सिद्दीकी का हत्या में शामिल तीसरे आरोपी की पहचान कर ली गई है. सूत्रों के मुताबिक तीसरे आरोपी का नाम शिव कुमार है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा. हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी नाम सामने नहीं आया है, जल्द ही नाम वेरिफाई किया जाएगा.

पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीसरा आरोपी फरार है, जिसका नाम धर्मराज कश्यप और करनैल सिंह है. मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी पिछले कई घंटों से आरोपियों से पूछताछ कर रही है. बाबा सिद्दीकी शूटआउट केस के आरोपियों को मुंबई के किला कोर्ट में आज यानी 13 अक्टूबर 2024 की दोपहर 1 बजे पेश किया जाएगा.

पुलिस ने बताया कि बाबा सिद्दीकी को 15 दिन पहले जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाकर वाई कैटेगरी कर दी गई थी. पुलिस ने इस मामले में लॉरेंस बिश्नोई के हाथ होने को लेकर भी पूछताछ की, जिसमें कई अहम खुलासे हुए हैं. बताया जा रहा है कि इस मर्डर को अंजाम देने में तीन शूटर था और एक आरोपी रेकी कर रहा था.

पुलिस की जांच और पूछताछ में ये बात लगभग कंफर्म हो गई कि बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में लॉरेंस बिश्नोई गैंग शामिल था. क्राइम ब्रांच को आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि वे लोग पंजाब की एक जेल में कैद थे, जब बिश्नोई गैंग के एक सदस्य से उनकी मुलाकात हुई थी।

आरोपी बख्शे नहीं जाएंगे - फडणवीस

सीएम एकनाथ शिंदे ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'बाबा सिद्दीकी की हत्या में पुलिस लगातार जांच में जुटी है। सरकार पूरी तरह इस केस की जड़ में जाएगी। इसके पीछे कोई भी हो, उसे बिल्कुल नहीं छोड़ेंगे।'

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रतिक्रिया सामने आयी है। विपक्ष द्वारा इस्तीफे की मांग के बीच दोनों नेताओं ने साफ तौर पर कहा है कि सरकार पूरी तरह इस केस की जड़ में जाएगी। बाबा सिद्दीकी की हत्या के पीछे कोई भी हो, उसे छोड़ा नहीं जाएगा।

एकनाथ शिंदे ने क्या कहा?

सीएम एकनाथ शिंदे ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'बाबा सिद्दीकी की हत्या में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक फरार है। इस पर टीमें काम कर रही हैं। उसे कड़ी से कड़ी सजा देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। पुलिस लगातार जांच में जुटी है। सरकार पूरी तरह इस केस की जड़ में जाएगी। इसके पीछे कोई भी हो, उसे बिल्कुल नहीं छोड़ेंगे। इसके असली मास्टरमाइंड और जड़ तक पहुंचने में पुलिस जुटी है। इस केस को फास्ट ट्रैक में लेकर जाएंगे और कोर्ट में फांसी की मांग की जाएगी. दोषी कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगी। मुंबई पुलिस जांच कर रही है।'

महाराष्ट्र के गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे फडणवीस ने गोंदिया जिले में कहा, 'हत्या की विभिन्न कोणों से जांच की जा रही है ।

हरियाणा में चुनाव आयोग और ईवीएम की वजह से कांग्रेस चुनाव में हारी है : राशिद अल्वी

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार पर किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने बयान देकर हलचल तेज कर दी है। चढ़ूनी ने कहा, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कारण कांग्रेस चुनाव हारी। इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने कहा कि गुरनाम सिंह चढ़ूनी के इस बयान का कोई मतलब नहीं है।

राशिद अल्वी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "हरियाणा में चुनाव न कांग्रेस हारी है और न ही हुड्डा हारे हैं। हरियाणा में चुनाव आयोग और ईवीएम की वजह से कांग्रेस हारी है। मैं बार-बार कहता आया हूं ।

महाराष्ट्र में चरमराती कानून-व्यवस्था को उजागर किया- तेजस्वी यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि इस घटना ने महाराष्ट्र में चरमराती कानून-व्यवस्था की स्थिति को उजागर कर दिया। बता दें कि सिद्दीकी (66) को शनिवार रात मुंबई के बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके बेटे व विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के ठीक बाहर तीन लोगों

ने गोली मार दी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह घटना चौंकाने वाली और दुखद है। मैं उन्हें (बाबा सिद्दीकी को) व्यक्तिगत रूप से जानता था ।

राष्ट्रपति मुर्मू अफ्रीकी देश अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की ऐतिहासिक यात्रा पर हुई रवाना

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की अपनी आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुईं। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की एक साथ तीन अफ्रीकी देशों की पहली यात्रा है। राष्ट्रपति मुर्मू अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के निमंत्रण पर 13 अक्टूबर को अल्जीरिया पहुंचेंगी। वह इस अफ्रीकी देश में 15 अक्टूबर तक रहेंगी।

वायु प्रदूषण नियंत्रण संबंधित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में वायु प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सोमवार को सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति एजी. मसीह की पीठ 14 अक्टूबर (सोमवार) को मामले की सुनवाई करेगी।

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने धान की पराली जलाने वाले किसानों से नाममात्र का मुआवजा

वसूलने पर चिंता जताई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने के मामले में एक भी अभियोजन मामला नहीं चलाने के बावजूद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को उसके निदेर्शों को लागू करने के लिए कोई प्रयास नहीं करने के लिए फटकार लगाई थी।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद, सीएक्यूएम ने हाल ही में एक निर्देश जारी किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के एनसीआर क्षेत्रों के जिलाधिकारियों को निष्क्रियता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया था।

गाजियाबादः पुलिस ने नहीं दी अनुमति

महंत नरसिंहानंद के विवादित बयान के बाद महापंचायत का आयोजन

गाजियाबाद। गाजियाबाद की डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद द्वारा दिए गए विवादित बयान के बाद हुए तनाव के बीच रविवार को महापंचायत की घोषणा की गई है। मंदिर समिति और स्थानीय विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने सभी हिंदू संगठनों से अपील की है कि वह महापंचायत में भाग लें। इस महापंचायत के आयोजन को लेकर पुलिस की ओर से कोई अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस के अनुसार, सुरक्षा-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए किसी को भी मंदिर परिसर में प्रवेश करने की अनुमति

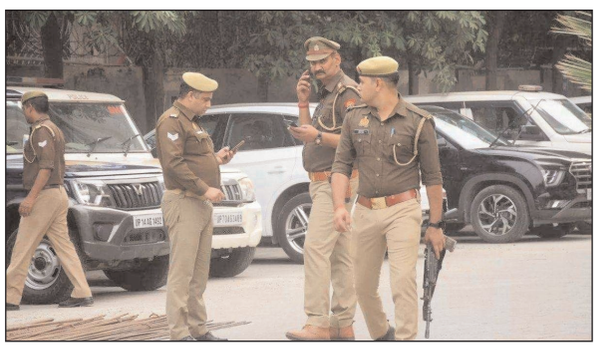

नहीं दी जाएगी। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी से निपटा जा सके।

इस महापंचायत को लेकर पुलिस और हिंदू संगठनों के बीच टकराव की संभावना जताई जा रही हैं। पुलिस प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया है और विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी की गई है।

शनिवार को भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर डासना देवी मंदिर पहुंचे थे। दर्शन पूजन के बाद उन्होंने कहा था कि यह बहुत प्राचीन मंदिर है। यहां सभी मनोकामना पूर्ण होती है। मंदिर कमेटी ने महापंचायत बुलाई है। इसलिए यहां पंचायत होगी। प्रशासन ने रोक लगाई है तो वह प्रशासन जाने, लेकिन पंचायत होगी। हमें बुलाया गया है। हम लोग भी पंचायत में आऐंगे।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी विस्तार पर खींचतान की छाया

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव में बड़ी हार मिलने के बाद कांग्रेस अंदरखाने चलने वाली खींचतान से अब तक नहीं उबर पाई है। यही कारण है कि प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभालने के 10 माह बाद भी जीतू पटवारी अपनी टीम बनाने में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं।

राज्य में वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ी हार का सामना करना पड़ा था और तत्कालीन अध्यक्ष कमलनाथ के स्थान पर प्रदेश अध्यक्ष की

कमान जीतू पटवारी को सौंपी गई। नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद से ही पार्टी में संभावित प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर सब की नजर है मगर वक्त गुजरता जा रहा है और नियुक्तियां नहीं हो पा रही है। राज्य में कुछ पदाधिकारी और मीडिया विभाग में नियुक्तियां जरूर हुई है मगर अधिकांश पद अब भी खाली हैं।

'बीजेपी के सभी छल-कपट के बावजूद कांग्रेस...'- दीपेंद्र

हरियाणा के नतीजों पर दीपेंद्र हुड्डा का बड़ा बयान

हरियाणाः हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने तीसरी बार जीत हासिल की है. वहीं कांग्रेस को लगातार तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा है. जिसको लेकर कांग्रेस के नेताओं की लगातार प्रतिक्रिया आ रही हैं. इसी कड़ी में रोहतक से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की प्रतिक्रिया आई है. उन्होंने कहा कि जो नतीजे आए हैं, उन्होंने सबको अचंभित कर दिया है. हम इनका गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं.

हुड्डा ने आगे कहा कि 20 के लगभग विधानसभा क्षेत्रों से ईवीएम

को लेकर हमारे प्रत्याशियों द्वारा शिकायतें आ रही है. पूरे चुनाव की प्रक्रिया पर प्रश्न चिन्ह उठ रहे हैं. हमने चुनाव आयोग के सामने जो शिकायतें थी वो रखी हैं उनका क्या जवाब मिलता है हम उसका इंतजार कर रहे हैं.

चुनाव आयोग को उनका जवाब देना चाहिए

कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पोस्टल बैलेट में 90 में से 76 सीटों पर कांग्रेस की बढ़त थी. सारे सर्वे और धरातल पर जो रिपोर्ट थी उसमें कांग्रेस की बढ़त सारे देश को दिखाई दे रही थी. लेकिन जो चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हो रहे है चुनाव आयोग को उनका जवाब देना चाहिए. बरहाल बीजेपी के सभी छल-कपट के बावजूद हमने 40 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं. हुड्डा ने कहा इसके लिए मैं कांग्रेस के कार्यकताओं को धन्यवाद करना चाहता हूं. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जो हमारी भूमिका रहेगी हम उसे अच्छे से निभाएंगे. लोगों की आवाज उठाने का काम करेंगे.

बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी 48 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रही है. वहीं कांग्रेस ने 37 सीटों पर जीत दर्ज की है. इसके अलावा इंडियन नेशनल लोकदल 2 सीटों पर जीती है.

तीन निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत दर्ज की है. जननायक जनता पार्टी और और आम आदमी पार्टी का खाता भी नहीं खुल पाया है।

दुर्गापूजा महोत्सव मेजा ऊर्जा निगम सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को करती है रेखांकित : कमलेश सोनी

मेजा ऊर्जा निगम में उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ आराध्य डांसिंग दी गाडस कार्यक्रम .

अखंड भारत संदेश

मेजा/प्रयागराज। ऊर्जा निगम में उत्सव समिति के तत्वावधान में बीते शुक्रवार को शाम रचना यादव कथक स्टूडियों नई दिल्ली द्वारा आराध्य डांसिंग दि गॉड्स कार्यक्रम की मनोहारी प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में प्रथम पूज्य गणेशए माँ दुर्गाए श्रीकृष्ण और देवाधिदेव महादेव के लीला स्वरूपों पर केन्द्रित इस नृत्य रचना की प्रस्तुति ने समस्त नगरवासियों को अध्यात्म और आनंद की एक ऐसी दुनिया में पहुंचा दियाए जहां जीव का सीधा संवाद परमात्मा से होता है। चार देवी.देवताओं पर आधारित इस प्रस्तुति की रचना चार लयों में की गई थी। जहां गणेश की महान काया को विलम्बित लय

में प्रदर्शित किया गयाए वहीं दुर्गा जो सुंदर भी हैंए प्रचंड भीएदयालु भी हैं तो क्रूर भीए को मध्य लय में पिरोया गया । कृष्ण की चंचलता और उनकी अठखेलियों को द्रुत लय में और शिव शक्ति को अतिद्रुत में प्रस्तुत किया गया। संगीत संरचना और गायन समी उल्लाह खाँ का था। जबकि परिकल्पनाए नृत्य संरचना और वेश भूषा रचना यादव की थी। इस कार्यक्रम की प्रकाश सज्जा प्रख्यात प्रकाश डिजाइनर गोविंद सिंह यादव द्वारा की गई थी। मंचासीन कलाकारों मेंआस्था सिजारिया अश्मिता एचएदीपानिता सरकारएहितेश गंगानीएरोशनी सोनीएसिद्धांत पुरोहित और रचना यादव शामिल रहे। गौरतलब है कि प्रख्यात कथक कलाकार रचना यादव की यह बेहतरीन नृत्य रचना इसके पहले ताज महोत्सव और ष्कालिदास महोत्सवष् जैसे प्रतिष्ठित कला सामारोहों में भी प्रदर्शित की जा चुकी है। नृत्यए प्रकाश और ध्वनि के रचनात्मक संयोजन से सजी यह शाम अपनी अनुपम प्रस्तुति के कारण नगरवासियों के बीच लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। इस अवसर पर मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमलेश सोनी ने उपस्थित लोगों का आभार जताते हुए कहा कि यह प्रस्तुति कुशल सिंक्रोनाइजेशन और श्रेष्ठ टीम वर्क के कारण एक अद्वितीय और यादगार प्रस्तुति रही। उन्होने यह भी कहा कि यह एक सर्वथा दोषरहित प्रस्तुति थीए जो सिक्स सिग्मा के मानकों पर खरा उतरने का सामर्थ्य रखती है। इस मौके पर अपराजिता महिला समाज की अध्यक्षा श्रीमती अनु सोनीए मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारीगण और कर्मचारियों सहित सृजन विहार टाउनशिप के नगरवासी भारी संख्या में उपस्थित रहे। मेजा ऊर्जा निगम इस क्षेत्र में ऊर्जा उत्पादन करेनवाली सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कम्पनी है। दुर्गा पूजा महोत्सव के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम मेजा ऊर्जा निगम की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

गाजे बाजे के साथ नम आंखों से मां दुर्गा का किया विसर्जन, रही भक्तों की भीड़

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। जसरा में मां भगवती का विसर्जन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर दर्जनों की संख्या में भक्त गण नाचते गाते रहे।

रविवार को जसरा में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन भक्तों ने नम आंखों के साथ किया गया। विसर्जन के पूर्व मां भगवती की आखिरी पूजा अर्चना की गई। मां की प्रतिमा को सजे धजे वाहन पर रखकर विसर्जन के लिए मिश्रा बांध ले जाया गया। वहीं विसर्जन यात्रा में महिलाओं बच्चों एयुवकए युवतियों ने डीजे की धुन पर नृत्य करते हुए मां को विदा नमः आंखों से विदा किया। विसर्जन यात्रा में प्रसाद भी वितरित किया गया। इस अवसर पर साधक पंडित जयशंकर मिश्राएआनंत त्रिपाठीएदीपू पाठकएआलोक पंडितएअभय मिश्राए विनीत द्विवेदीएसंतोष सिंहएदिनेश त्रिपाठीए अनुराग मालवीय एडब्लू सिंहए सुख.शांति शुक्ला एरतन केसरवानीए दिनेश केसरवानीए सत्यम वेsसरवानीए यशी जायसवाल एखुशी जायसवालए राजन आदिवासीए विनोद आदिवासी सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

दुर्गा विसर्जन में गयी युवती मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा/प्रयागराज। दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन रेलवे ट्रैक पर खडी हो कर देख रही युवती मालगाड़ी ट्रेन की चपेट में आने से कट गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमा टम के लिए भेज दिया।घर में कोहराम मचा हुआ है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम पिलखुखां निवासी राकेश कुमार पटेल की बीस वर्षीय पुत्री पुष्पा देवी शनिवार को सुबह ग्रामीणों के साथ गांव में स्थित तालाब में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए गयी थी।बताते हैं कि पुष्पा देवी गांव से गुजरी रेलवे ट्रैक पर खडी हो गई। जहां मालगाड़ी अचानक आ गयी परन्तु पुष्पा समझ नहीं पायी। जिससे वह ट्रेन के जद में आ गई।और उसकी मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। मृतका पुष्पा देवी तीन बहनों एक भाई में सबसे बडी थी। त्योहार के दिन इस दर्दनाक घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

झूंसी/प्रयागराज। मलावा बुजुर्ग पेट्रोल पंप के निकट शनिवार की रात एक युवक की खून से लथपथ लाश मिली। सूचना पर पहुची पुलिस ने युवक के फ़ोन से उसकी पहचान कर सूचना परिजनों को दी जिसके बाद शव पीएम के लिए भेज दिया।

हेतापट्टी सकरा निवासी राजेन्द्र कुमार उर्फ राजा बाबू 22 की खून से लथपथ लाश घर से सात किमी दूर मलावा बुजुर्ग पेट्रोल पंप के निकट मिली सूचना पर पहुची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। परिजनों ने बताया कि राजा बाबू बिजली का काम करता था शनिवार की शाम गांव का ही एक युवक उसे बुला कर ले गया था जिसके

बाद उसकी लाश मिली वह भी नही समझ पा रहे कि वह यहा कैसे और किसके साथ आया। वहीं पुलिस मामले को हादसा बता रही है और राजा बाबू के भाई रंजीत कुमार की तहरीर पर अज्ञात वाहन खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अधिकांश दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन शारदा सहायक नहरों में की गयी

मऊआइमा। मऊआइमा के महरौंडा ए जमखुरीए अलावलपुर ए छीतेमऊ, वाजिदपुर ए बांका जलालपुर व बड़गांव एगोहरी सिकंदरा शिवगढ़ बालकरनपुर कलंदरपुर आदि गांव की लगभग दो सौ मूर्तियों का विसर्जन किया गया। हरखपुर शारदा सहायक नहर एमदारी ए सलेमपुरएदुबाही आदि में की गयी।इस अवसर पर मऊआइमा थाना के पुलिसकर्मी अमरिंदर सिंहए कांस्टेबल दुर्गा नायक आदि मौजूद रहे। हर स्थानों पर विसर्जन के समय ग्राम प्रधानगण मौजूद थे।तथा हरखपुर के संतोष कुमार यादव ने घाट और लोगों को बैठने पानी की व्यवस्था कराया था। हर वर्षों की भांति इस वर्ष भी सकुशल विसर्जन किया गया।

सत्य मार्ग पर चलने के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम से लेनी चाहिए प्रेरणा : ई नित्यानंद उपा

बुराई पर अच्छाई का प्रतीक दशहरा का पावन पर्व मेजारोड बाजार में धूमधाम एवं उल्लास पूर्वक मनाया गयाएबीस फिट रावण और श्रीराम का महायुद्ध देखने उमड़ा क्षेत्र का जनसैलाब .

अखंड भारत संदेश

मेजा/प्रयागराज। असत्य पर सत्य की विजय और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व मेजारोड बाजार में बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास पूर्ण माहौल में मनाया गया। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानस प्रचारिणी समिति के अध्यक्ष व मेजारोड व्यापार मंडल के संरक्षक ई0 नित्यानंद उपाध्याय की अगुवाई में बाजार में दशहरा बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान लोगों में भी काफी उत्साह तथा चहल पहल देखने को मिला। इस दौरान समूचा बाजार आकर्षक एवं मनोहारी ढंग से सजाया गया था। बाजार के चारों तरफ खाने पीने की अनेकोनेक दुकाने मेले की खुबसुरती को और भी बढ़ा दिया था। गौरतलब है कि

असत्य पर हुई सत्य की जीत रावण दहन को देखने के लिए बाजार सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों से हजारों की संख्या में नरएनारी बच्चे तथा युवा आए हुए थे। रावण के पुतले के दहन के पूर्व रामएलक्ष्मण का मेजा के बरिष्ठ पत्रकार पंडित शशिकांत तिवारी ने आरती उतार कर क्षेत्र के लोगों को पावन पर्व दशहरा की बधाई दी। इस दौरान इस साल भी लगभग 20 फीट ऊंचा रावण का पुतला बनाया गया था। दशहरे पर्व पर सर्वप्रथम राम लक्ष्मण का आयोजन समिति ने तिलक लगाकर आरती बंदन व स्वागत किया।

इसके बाद काफी देर तक भगवान श्रीराम और लक्ष्मण का रावण से महायुद्ध हुआ जिसमें रावण को अंततः पराजय का सामना करना पड़ा और बाद में प्रतीकात्मक विशालकाय रावण के पुतले को आग लगा दी गयी। बता दें कि जैसे ही रावण के पुतले में आग लगी पुतला धूं.धूं कर जलने लगा। नजारा ऐसा था कि पूरा वातावरण जय श्रीराम के जयकारे से जहां गुंजायमान हो गया वहीं घंटों चली मनमोहक आतिशबाजी देख लोग एक टक देखते ही रहे। इस आयोजन में शांति सुरक्षा के मद्देनजर मेजारोड चौकी प्रभारी अंकुश कुमार के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन उमड़ी हुई भारी भीड़ को संभालने के लिए मुस्तैद रहा। दशहरा मेले में आए हुए दर्शकों का आभार जताते हुए मानस प्रचारिणी समिति के अध्यक्ष ई0 नित्यानंद उपाध्याय ने कहा कि असत्य पर सत्य की जीत हुई और सभी मानव जाति को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के इस लीला से सीख लेने की आवश्यकता है और सत्य के रास्ते पर चलना चाहिए। इसी प्रकार कठौलीएसिरसाएमेजा खासएआदि के अलावा संपूर्ण मेजा क्षेत्र में दशहरे की धूम रही। इस दौरान पूरे सर्किल में शांति व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी मेजा राजेश उपाध्याय पुलिस टीम के साथ मुस्तैदी से भ्रमण करते नजर आए।

तालाब में डूबने से दो लड़कों की मौत

भेड़ को नहलाते वक्त 11वीं का छात्र पानी में समायाय बचाने में दोस्त भी डूबा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में तालाब में डूबने से दो लड़कों की मौत मौत हो गई। तालाब में भेड़ को नहलाने के दौरान 11वीं का छात्र अतुल गहरे पानी में समाने लगा। वह चीखा तो साथ रहा 13 साल रवि उसे बचाने को आगे बढ़ा और वह भी गहरे पानी में समा गया।तालाब के पास मौजूद लोगों ने दोनों लड़कों को डूबते देखा तो चीख पुकार मची। बचाने के लिए कई लोग तालाब में उतर गए। अतुल और रवि को पानी से निकाल कर पास के अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। दोनों की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

घटना प्रयागराज के यमुनापार इलाके के घुरपुर थाना क्षेत्र की है। ललसहिया गांव का रहने वाला 17 साल का अतुल कुमार पाल पुत्र लाल बाबू पाल पड़ोस के रहने वाले 13 साल के रवि प्रजापति के साथ चिल्ली चकिया में स्थित तालाब में भेड़ को नहलाने पहुंच गया। भेड़ को नहलाते वक्त अतुल गहरे पानी में डूबने लगा। वह चीखा

तो रवि उसे बचाने आगे बढ़ा। इस दौरान दोनों गहरे पानी में समा गए। इसके बाद हंगामा मच गया। तालाब के आसपास मौजूद लोग पानी में उतर गए। तैराकी जानने वाले कई युवक भी कूद पड़े। ग्रामीणों ने दोनों को तालाब से निकाला। उन्हें प्राइवेट अस्पताल ले गए लेकिन उनकी जान जा चुकी थी। अतुल कुमार पाल 11वीं कक्षा का छात्र था जबकि रवि प्रजापति सातवीं में पढ़ता था। दोनों परिवारों का रो रोकर बुरा हाल है।

डंफर की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत, परिजनों ने किया चक्का जाम

सुबह से रोड़ पर बड़ी गाड़ियों को शिलशिला शुरू हो जाता है, जिससे ऐसी घटनाएं होती रहती है

अखंड भारत संदेश

करछना/प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर के बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज के सामने रविवार दोपहर मिर्जापुर प्रयागराज हाईवे पर अनियंत्रित डंफर की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर आक्रोशित परिजनों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा करते हुए चक्का जाम कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक महिला करछना क्षेत्र के अरई भस्मा गांव की बताई जा रही है। परिजनों ने बताया की अजय कुमार रविवार को सुबह पत्नी राम सवारी एवं बेटी रवीना को लेकर बाइक से प्रयागराज गए हुए थे। दोपहर दो बजे के करीब घर के लिए लौटे थे की रामपुर तिराहा के पास बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज

के सामने पीछे की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा अनियंत्रित डंफर ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार महिला राम सवारी डंफर के टायर के नीचे आ गई।

जिसकी मौके पर मौत हो गई।जबकि अजय कुमार व बेटी रवीना के विभिन्न अंगों में गंभीर चोटे आ गई। मौके पर पहुंचे मृतका के स्वजनों ने हंगामा करते हुए चक्का जाम कर दिया। सूचना पाकर औद्योगिक व करछना थाना की पुलिस मौके पर पहुंची स्वजनों को समझाते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। लगभग आधे घंटे बाद एक बार पुनः पिकअप वाहन से बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और दोबारा हंगामा करने लगे मौके पर पहुंचे एसडीएम तपन कुमार मिश्रा ने परिजनों को समझा कर मुआवजे की बात कहीं वहीं मौजूद पुलिस ने बल का प्रयोग करते हुये लोगो को हटाया और रोड पर लगे जाम को खुलवाकर आवागमन शुरू कराया।

ओवरलोड ट्रक के ठोकर से पुलाव नाले की पुलिया ढही

अखंड भारत संदेश

मेजा/प्रयागराज। अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से धरावल गांव के सामने स्थित पुलवा नाले की पुलिया का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया। गनिमत रही कि ट्रक पुल पर एक जगह खड़ा हो गयाए वरना ट्रक चालक व खलासी की जान चली जाती । धरावल गांव निवासी क्रय विक्रय सिरसा के अध्यक्ष सत्यम शिवम तिवारी ने बताया कि शुक्रवार की शाम छह बजे के लगभग मेजा खास की ओर से एक ट्रक भटौती पहाड़ी पर गिट्टी लादने जा रहा था। यह ट्रक जैसे ही पुलवानाले पर स्थित सकरी पुलिया पर पहुंचा अनियंत्रित होकर एक ओर के ठोकर से टकरा गयाए वाहन से टक्कर लगते ही पुलिया का एक हिस्सा नाले में गिर गया। जोरदार आवाज सुन पास पड़ोस के लोग जब तक पुलिया के पास पहुंचे वाहन चालक व खलासी मौके से भाग चुके थे। इस संबंध में भसुंदर गांव के प्रधान सोनू कुमार पटेल का कहना है कि उक्त पुलिया क्षतिग्रस्त होने के बाबत उन्होंने मेजा पुलिस प्रशासन को अवगत कराते हुए ओवर लोडिंग ट्रकों के आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था किंतु लूटखसोट एवं भ्रष्टाचार में लिप्त हल्का दरोगा एवं सिपाही प्रधान की बातों को अनसुनी करते हुए नो इंट्री के बाद भी ओवर लोडिंग ट्रकों को बराबर उक्त पुलिया से पास करा रहे हैं। यही कारण है कि ग्रामीणों के आवागमन हेतु बनी पुलिया ट्रकों की बराबर आवाजाही से क्षतिग्रस्त हो गई है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख की 13 दिन के बाद इलाज के दौरान मौत

जमीनी रंजिश व पैसे को लेकर पूर्व ब्लॉक प्रमुख पर हुआ था जान लेवा हमला

अखंड भारत संदेश

उतरांव/प्रयागराज। प्रयागराज जिले के उतरांव थाना क्षेत्र के दुघरा गांव निवासी पूर्व ब्लॉक प्रमुख राधेश्याम पटेल पुत्र स्व0 सोहन लाल पटेल कोई जमीनी रंजिश में गांव के सचिन ने गोली मार दी थी। जिसमें पूर्व ब्लाक प्रमुख का इलाज प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। 11 अक्टूबर को इलाज के दौरान मौत हो गई।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है।ज्ञात हो की पूर्व ब्लाक प्रमुख अपने ड्राइवर अनिल पटेल पुत्र

जगन्नाथ पटेल नीवासी कनेहटी के साथ 29 सितम्बर को करीब 01 बजे फूलपुर से घर जा रहे थे । जैसे वह बलीपुर नेशनल हाइवे सर्विस रोड पर पहुचे थे कि जमीनी रंजिश में गांव के ही सचिन भारतिया व एक साथी ने बाइक को ओवरटेक कर पेट में गोली मार दी थी। जिससे वह घायल हो गए थे। जिनका एक

4 अभियुक्त व 1 अभियुक्ता गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा था जेल

निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था।जिसमे उतरांव थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी द्वारा सीसीटीवी फुटेज और अन्य जांच पड़ताल में पता किया। जिसमे सचिन भारतीय पुत्र सत्यनारायण भारतीय और एक साथी करण के द्वारा जानलेवा हमला किया गया था। जिसका पुलिस द्वारा खुलासा करते हुए। घटना में कुल 5 अभियुक्त करन कुमार पुत्र सूरज भारतीय नीवासी सुदीपुर थाना फूलपुरए2 हिन्देश कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद नीवासी ग्राम सराय आलम थाना उतरांवए03 करन भारतीय पुत्र विजय प्रकाश भारतीय नीवासी डीहवा थाना उतरांवए4 सत्रजीत भारतीयए 5 सुनीता देवी पत्नी सत्यनारायण निवासिनी ग्राम महरुपुर थाना उतरांव प्रयागराज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त 01 अवैध तमंचा 12 बोरए01 खोखा कारतूस 12 बोर 04 मोबाइल 03 मोटरसाइकिल। बरामद किया था। पूर्व ब्लाक प्रमुख की इलाज के दौरान 13 दिन बाद एक निजी अस्पताल में मौत हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक पूर्व ब्लाक प्रमुख के तीन लड़के बलवंत सिंह सतवंत सिंह अंकित और तीन बेटी कुसुम अर्चना सोनी है। मृतक राधेश्याम पटेल इकलौते थे। 2004 में सैदाबाद ब्लॉक के प्रमुख भी रह चुके हैं। वहीं पूर्व ब्लाक प्रमुख राधेश्याम पटेल की मौत से पत्नी जयराजी देवी समेत परिजनों का रो.रो कर बुरा हाल है।

बाइक सवार महिला का पर्स छीन कर फरार

हनुमानगंज/प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र में कुछ दिनों से छिनैती की वारदात बढ़ गई है शनिवार को भी एक बदमाश ने ई रिक्शा से जा रही महिला को निशाना बनाया और उसका पर्स छीन कर फरार हो गया दिनदहाड़े हुए इस वारदात से लोगो में हड़कंप मच गया। पीड़िता ने मामाले की लिखित शिकायत पुलिस से की पर घटना के 24 घंटे बाद भी रिपोर्ट दर्ज नही की गई। फूलपुर की सोनम मिश्रा शनिवार को अपने मायके जमुनीपुर आ रही थी हनुमानगंज से उन्होंने ई रिक्शा लिया वह कोटवा चौराहे के निकट पहुंची थी तभी पीछे से आए बाइक सवार एक युवक में सोनम के हाथ से उनका पर्स छीन कर भाग गया उन्होंने शोर मचाया जब तक लोग को समझ पाते तब तक वह कोटवा चौराहे की ओर गायब हो गया सोनम ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुए बताया कि पर्स में एक मोबाइल सोने की चेन व दस हजार रुपये थे। एक जनरल स्टोर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में लुटेरे की तस्वीर नजर आई है पुलिस जांच कर रही है।

सर्पदंश से 12 वर्षीय बालक की मौत, घर में मचा कोहराम, चार बहनों का इकलौता भाई था मृतक आदित्य

अखंड भारत संदेश

फूलपुर/प्रयागराज। घर के अन्दर काम कर रहे बच्चे को विषैले सांप ने काट लिया। जिससे कुछ देर में ही उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे शहर के अस्पताल में ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फूलपुर थाना क्षेत्र के इफको पुलिस चौकी अंतर्गत चकमाली गांव निवासी अरविंद कुमार पटेल का इकलौता पुत्र 12 वर्षीय आदित्य कुमार पटेल रविवार सुबह घर में लगी टीवी को चालू करने के लिए उठा ही था की तभी कच्ची फर्श की बिल में घुसे जहरीले सांप ने उसके पैर में डंस लिया। पैर में कुछ काटने की बात उसने परिजनों को बताई पर परिजन जब तक घर की छानबीन करते आदित्य की हालत बिगड़ गई। आनन.फानन में परिजन उसे फूलपुर स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बदहवास परिजन एक उम्मीद के साथ बच्चे को लेकर एसआरएन पहुंचे वहां भी चिकित्सकों ने बताया की बच्चे की मौत हो चुकी है। मृतक बच्चा आदित्य पटेल चार बहनों में सबसे छोटा व घर का इकलौता पुत्र था। पिता अरविंद पटेल दिल्ली में रहकर काम करते हैं। घटना से मृतक की मां व बहन अंजलिएआंचलएआंशू व मीनाक्षी सहित अन्य परिजनों का रो. रोकर बुरा हाल है। वहीं पड़ोसियों ने घर के अन्दर बने बिल में पानी डालकर किसी तरह सांप को बाहर निकाला और एक बोरी में डालकर रख दिया।

कोतवाली चौराहा पर ऐतिहासक भरत मिलाप के साक्षी बने शहरी

प्रयागराज में सालों से चली आ रही परंपराए भजन गायन से मंत्र मुग्ध नजर लोग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज की रामलीलाओं में सबसे पुरानी रामलीला कमेटियों का भरत मिलाप कार्यक्रम रविवार को ऐतिहासिक कोतवाली चौराहा पर हुआ। जहां भगवान श्रीराम अपने अनुज भरत से मिले। इस दौरान सैकड़ों की भीड़ दोनों भाइयों के मिलन की साक्षी बनी। लोगों ने पुष्पवर्षा करके भगवान के मिलन का स्वागत किया। शहर के साथ ही बड़ी संख्या में आस.पास के इलाकों से भी लोग इस भरत मिलन समारोह का साक्षी बनने के लिए एकत्र हुए।

दशकों से कोतवाली चौराहे पर होता है भरत मिलाप

श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा राम लीला कमेटी का भरत मिलाप का कार्यक्रम कोतवाली चौराहे पर देर रात्रि में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रामलीला कमेटी की तरफ से भक्ति भजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें मोनाली चक्रवर्ती एवं प्रदीप सांवरा की तरफ से भगवान श्रीराम के भजनों की शानदार प्रस्तुति की गई। इसके साथ ही भक्ति नृत्य एवं झांकी का कार्यक्रम शानदार तरीके से प्रस्तुत किया गया।कोतवाली चौराहे पर मौजूद सैकड़ों की जनता भजन गायन से मंत्र मुग्ध नजर आयी। प्रभु श्री राम एवं भरतए लक्ष्मण एवं शत्रुघ्न भाइयों का मिलाप देखते ही खुशी की लहर दौड़ उठी कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी भगवान श्रीराम का जयघोष करते हुए जयकारों से उनका स्वागत किया। इसके पहले शाहगंज स्थित श्रीराम मंदिर से भगवान की सवारी अपनी पूरी भव्यता के साथ निकली।कोतवाली चौराहा के पास ही भाई भरत और भइया श्री राम के मिलने के लिए भव्य स्टेज सजाया गया था। यहां पहुंचने के बाद दोनों भाइयों को मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कमेटी की ओर से कोषाध्यक्ष अमिताभ टंडनए वित्त मंत्री सचिन कुमार गुप्ताए लीला संयोजक राजेश मल्होत्राए मोहन जी टंडनए रवि गुप्ताए विक्की गुप्ताए सागर पांडेए आशीष गुप्ताए रोहन पांडेए आदि लोग उपस्थित हैं।

पहले वास्तविक हाथी की सवारी से आते थे प्रभु श्रीराम

श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा रामलीला कमेटी में दशकों से भगवान श्रीराम की सवारी भरत मिलाप के लिए वास्तविक हाथी पर सवार होकर पहुंचती थी। दर्शकों भी इसको लेकर उत्साह बना रहता थाए लेकिन सरकार की तरफ से जानवरों के इस प्रकार के उपयोग पर बैन करने के बाद से अब सवारी कृतिम रूप से तैयार कराए गए हाथी पर निकलती है।

शस्त्र पूजन कार्यक्रम में नशा मुक्ति व बच्चो को शिक्षित बनने पर हुई चर्चा

क्षत्रिय एक शौर्य गाथा है : मोती सिंह

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज/प्रयागराज। अखिल भारतीय महाराणा प्रताप सेवा संस्थान द्वारा हनुमानगंज बीकापुर स्थित सृष्टि गार्डन में दशहरे के अवसर पर आयोजित शस्त्र पूजन में भगवान राम व महाराणा प्रताप का विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह ;मोती सिंहद्ध ने महाराणा प्रताप को नमन करते हुए हुए कहा कि वह कोख धन्य थी जिसने राणा प्रताप जैसा योद्धा पैदा किया।

उन्होंने कहा कि शौर्य से ही क्षत्रिय जुड़ा है क्षत्रिय की ना कोई जाती है ना कोई धर्म क्षत्रियों ने रक्षा के लिए जन्म लिया है समाज को दिशा देने के लिए जन्म लिया है हम कमजोरों को सम्मान करने के लिए जन्म लिया है क्षत्रिय एक शौर्य गाथा है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम ने कभी नहीं कहा कि हम क्षत्रिय हैं प्रभु श्री राम ने जो सर्व समाज के कल्याण का संकल्प लिया था उसे पूरा करने में कोई कोर्स असर नहीं छोड़ा। उन्होंने स्वण्

महेश नारायण सिंह को नमन करते हुए महेश नारायण को हमने विधानसभा मे देखा है वह हंडिया के विकास के लिए मंत्रियों से लड़ जाते थे। वह हंडिया के राणा प्रताप थे। पूर्व प्रधानाचार्य घनश्याम सिंह ने कहा कि आज शस्त्र पूजन के अवसर पर आप सभी नशा मुक्ति व अपने बच्चों को शिक्षित करने का संकल्प घर लेकर जाए।

संस्था के अध्यक्ष पूर्व ब्लाक प्रमुख राजकुमार सिंह रिंकू ने कहा कि हम अपने समाज के लिए उनके सम्मान के लिए हर स्तर पर लड़ने को तैयार है। संरक्षक हरिनारायण सिंह, संजय सिंहए पूर्व विधायक प्रशांत सिंह ने भी लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन विश्वनाथ प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान संस्था की वेबसाइट भी लॉन्च की गई जिसकी जानकारी मनेंद्र प्रताप सिंह ने दी। इस दौरान पूर्व जिलापंचायत अध्यक्ष बीडी सिंह, पूर्व प्रमुख राकेश बहादुर सिंह, शिवराज सिंह, गुलाब सिंह, हंसराज सिंह, जिलापंचायत सदस्य भूपेंद्र सिंह पिंटूए विजय सिंह, लाल प्रभाकर सिंह, जीतू सिंह गहरवार, अमित सिंह आदि मौजूद रहे।

मानस रामलीला में कुम्भकरण बध मेघनाथ बध अहिरावण बध और श्री राम दल शोभा यात्रा

अखंड भारत संदेश

नैनी/प्रयागराज। नैनी मानस रामलीला समिति द्वारा अभिमन्यु शाखा मैदान में आदर्श कला मन्दिर के कलाकारों ने कुम्भकरण बधए मेघनाथ बधए अहिरावण बधए रावण बधए प्रसंग का भव्य प्रदर्शन मंच से किया। ब्याकुल कुम्भकरण पह जाईए विविध भाँति तब जाई जगाई। महिश खाई कर मदिरा पानाए गरजेश वङ्काा घात समाना। रामलीला मैदान में रामभक्तों का करतल ध्वनि से कलाकारों का उत्साह वर्धन भी किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा अंशुमन, शिक्षा अधिकारी हरि सिंह रहें। मंचन कार्यक्रम और शोभा यात्रा में रघुनाथ द्विवेदी, राजेश राकेश, दिवाकर भारती, राममनोरथ सरोज, मुख्य संरक्षक समर बहादुर सिंह, संरक्षक राकेश श्रीवास्तव, संयोजक मयंक यादव, अध्यक्ष धीरेंद्र यादव धीरू, महामंत्री नयन कुमार कुशवाहाए, उपाध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा, राज सिंह, कोषाध्यक्ष संजय जैसवाल, रोहितक शुक्ला, आशीष राय, कुलदीप शुक्ला सुमित मिश्रा, सुधीर राय, मारुति नंदन तिवारी, नंदू भाई आजाद, संजय श्रीवास्तव, सुभाष केसरवानी, पीर मोहमद अजहर, शंकर मिश्रा, पवन द्विवेदी, शिव शंकर दीक्षित, रवि मिश्रा आदि लोग शामिल रहें।

सेमरी की विशालकाय देवी मां का बुल्डोजर से विसर्जन

अखंड भारत संदेश

जंघई/प्रयागराज। शारदीय नवरात्रि में 26 वें वर्ष सेमरी दुर्गा पूजा पंडाल में प्रतिदिन सुबह शाम भक्तों द्वारा पूजन.अर्चन आरती भजन कीर्तन किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तत्पश्चात नवरात्रि संपन्न होने पर पूर्णाहुति हवन आरती महाप्रसाद का आयोजन किया गया। दशहरे के दिन शनिवार को बाजे.गाजे डीजे के साथ मां की भव्य प्रतिमा को बुल्डोजर से विसर्जन यात्रा निकाली गई और पास के जलाशय में विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा में प्रमोद मिश्रा, राजीव शर्मा, कुलदीप मिश्रा मोनू शर्मा, अच्छेलाल, संदीप यादव, पप्पू सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन से हमे लेनी चाहिए प्रेरणा : कमलेश सोनी

मेजा उर्जा निगम में अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक दशहरा पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

अखंड भारत संदेश

मेजा/प्रयागराज। ऊर्जा निगम में विजयदशमी का पर्व बहुत ही हर्षोल्लाश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मेजा ऊर्जा निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमलेश सोनी तथा अपराजिता महिला समाज की अध्यक्षा श्रीमती अनु सोनी एवं अन्य महाप्रबंधक गणो द्वारा प्रभु श्रीराम की पूजा अर्चना के साथ किया। तत्पश्चात कमलेश सोनी द्वारा रावण के प्रतीक स्वरूप पुतले का दहन किया गया एवं इसके साथ.साथ कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का भी दहन किया गया। इस कार्यक्रम में रावणए कुंभकरण तथा मेघनाथ के पुतलों के दहन के अतिरिक्त शानदार आतिशबाजी का प्रदर्शन भी किया गया । विजयदशमी के इस पावन अवसर पर मेजा ऊर्जा निगम परियोजना के आवासीय परिसर में रहने वाले सभी कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्य तथा सहयोगी संस्थाओं के कर्मचारी एवं परिवार के सदस्यों ने आतिशबाजी का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान

अपने संबोधन में कमलेश सोनी मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजा ऊर्जा निगम ने सभी कर्मचारियों को एवं उनके परिवार के सदस्यों को विजयदशमी की शुभकामनाएं दिया तथा सभी से अनुरोध किया कि प्रभु श्रीराम के जीवन से हमें प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ना है तथा किसी भी कठिनाई से विचलित नहीं होना है। विजयदशमी के अवसर पर दशहरा मेले का भी आयोजन किया गया जिसमें बच्चों के लिए खेलने कूदने के स्टॉल के साथ.साथ विभिन्न प्रकारके व्यंजनों के स्टाल भी लगाए गए जिसका सभी ने आनंद उठाया।इस कार्यक्रम के साथ ही एक सप्ताह तक चलने वाले नवरात्र उत्सव एवं विजयदशमी समारोह का भी समापन हो गया।

इस मौके पर कार्यक्रम में अजीत बसाक, महाप्रबंधव, प्रचालन एवं अनुरक्षण, पीवेक साबित, महाप्रबंधक, संविदा सामग्री, उत्सव समिति के अध्यक्ष, चंद्रशेखर महाप्रबंधक, परियोजना, अनिल बवेजा महाप्रबंधक इंजीनियरिंग, तथा उत्सव समिति के सदस्य एवं अपराजिता महिला समाज की पदाधिकारीगणए कार्यपालक संगठन के अध्यक्ष एवं महासचिव भी उपस्थित थे।

रिपब्लिकन पार्टी जिलाध्यक्ष संजय गौतम के नेतृत्व में चार लोगों ने ग्रहण किया पार्टी की सदस्यता

अखंड भारत संदेश

मेजा/प्रयागराज। भाजपा समर्थित रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले तथा प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता के नेतृत्व में प्रयागराज के युवा जिलाध्यक्ष संजय गौतम की अगुवाई में प्रयागराज के यमुनापार एवं गंगापार में पार्टी के विस्तार तथा मजबूती के लिए चलाए जा रहे व्यापक पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में रिपब्लिकन पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए बड़ी संख्या में लोग पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को राष्ट्रीय प्रजापति स्वाभिमान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अधिवक्ता अवधेश प्रजापति के नेतृत्व में मेजा विधान सभा में भ्रमण कर श्री गौतम ने राजमणि सरोज और राजेश कुमार को जहां जिला कार्यकारिणी में महामंत्री और मंत्री के पद की जिम्मेदारी देकर सदायता ग्रहण कराई वहीं राकेश कुमार गुप्ता एवं संजीव कुमार को कोरांव विधानसभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के पद पर मनोनित किया है। उल्लेखनीय है कि मनोनयन के पश्चात चारों पदाधिकारियों का श्री गौतम ने माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि पार्टी की मजबूती एवं विस्तार ही मेरा एक मात्र उद्देश्य है। इस मौके पर मेजा विधान सभाध्यक्ष डीके प्रजापतिए युवा मोर्चा यमुनापार जिलाध्यक्ष महेश प्रजापतिएअधिवक्ता शकील अहमदएअवधेश प्रजापतिएराकेश प्रजापतिए ओमप्रकाश मौर्याए मनीष मिश्राएमेंहदी हसनएसौरभ पटेलएत्रिशूल नाथ सिंहएतथा लवकुश पाल आदि के अलावा कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

प्रभु श्री राम ने बाली का किया वध

अखंड भारत संदेश

जारी/प्रयागराज। जारी बाजार के गड़ैया कला में प्रेम प्रवर्तक आदर्श रामलीला के मंच पर वीरवार की रात बाली वध का मंचन किया गया। श्रीराम की ओर से बालि का वध करते ही दर्शक उत्साहित होकर तालियां बजाने लगे।

रामलीला में हनुमान जी माता सीता की खोज में लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। वहां उनसे विभीषण मिलते हैं। विभिषण बताते हैं कि सीता को रावण ने अशोक वाटिका में रखा है। हनुमान जी को भूख लगती है तो वह माता सीता से अनुमति लेकर अशोक वाटिका में न सिर्फ फल खाते हैं बल्कि पौधों को उजाड़ देते हैं। इसकी जानकारी होने पर मेघनाद पहुंचता है और हनुमान जी को ब्रह्मास्त्र में बांध देता है।इसके बाद हनुमान जी को रावण के दरबार में पेश किया जाता है। यहां रावण के आदेश पर हनुमान जी की पूंछ में आग लगा दी जाती है। इसके बाद हनुमान जी लंका दहन करते हैं। चारों तरफ हाहाकार मच जाता है। लंका को जलाने के बाद हनुमान माता सीता के पास जाते हैं जहां मां सीता चूड़ामणि देती हैं। इसके लेकर हनुमान जी लौटते हैं और चूड़ामणि देते हुए प्रभु श्रीराम को माता का हालचाल सुनाते हैं। यह दृश्य देख कर दर्शकों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की।

राम राज्याभिषेक के साथ श्री अवंतिका रामलीला संपन्न

अखंड भारत संदेश

नैनी/प्रयागराज। नैनी श्री अवंतिका रामलीला में शनिवार को राम रावण युद्धए रावण पुतला दहन एवं राम राज्याभिषेक की लीला का अत्यंत सुंदर मंचन हुआ। सर्वप्रथम राम रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ । राम ने अग्निबाण का प्रयोग कर रावण की नाभि में संचित अमृत का अवशोषण कर लिया। उसके बाद एक ही बाद से रावण को धराशाई कर दिया। रावण का पुतला धूम.धड़ाम कर जल उठा। पुतला दहन के पश्चात अलोप शंकरी मठ के महंत यमुना पुरी महाराज ने भगवान राम का राज्याभिषेक किया। इस अवसर पर चंद्रा प्ले स्कूल के बच्चों ने शिक्षिका आस्था पांडेय एवं साधना पांडेय के निर्देशन में अत्यंत मनोहारी नाट्य प्रस्तुति की। समिति के महामंत्री अवधेश पांडेय ने पुलिस एवं जिला प्रशासन को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया मीडिया प्रभारी आर के शुक्ला ने यमुनापार के पत्रकार बंधुओ को समाचार पत्र के माध्यम से भगवान राम के आदर्शों का प्रचार-प्रसार करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। रामलीला में प्रमुख रूप से अवधेश पांडेय, बी बी दुबे, अरुण त्रिपाठी, राजेश मिश्रा, धीरज मिश्रा, गोविंद दुबे, यजुर्वेद जन्मेजय, वी के शुक्ला, राजेंद्र शुक्ला, आदि उपस्थित रहे।

मां विंध्यवासिनी भक्त मंडल चनेथू की देवी मां का बाजे.गाजे के साथ विसर्जन

अखंड भारत संदेश

जंघई/प्रयागराज। मां विंध्यवासिनी भक्त मंडल सांई वाटिका चनेथू पंडाल में नवरात्रि में जिस मां का नौ दिनों तक स्वागत और पूजन किया गया उनकी विदाई का दर्द श्रद्धालुओं की आंखों से छलक पड़ा। भक्तों द्वारा दुर्गा मां के जयकारे से गुंजायमान वातावरण के बीच मां के कान में अपनी मनोकामना पूर्ण करने का संदेश देती महिलाओं का समूह पंडालों को नया रंग दे रहा था गाजे बाजे ढोल नगाड़ों एवं डीजे के साथ मां का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर श्रीकांत दुबे, शेषधर दुबे, नंदलाल दुबे, जितेंद्र दुबे, अजय दुबे, साहब पांडेय, प्रदीप दुबे नारायण, रामकुमार दुबे, परमिल दुबे, दीपक दुबे, सूरज दुबे, संकल्पकर्ता रोहित दुबे, विकास दुबे, अभिषेक दुबे, अनुज दुबे बिग्गू, सचिन दुबे, अतुल पांडेय, गणेश पांडेय, सिंटू पांडेय, सिकंदर यादव, सुधांशु दुबे, शिवम दुबे, रवि दुबे, नितिन दुबे, विवेक दुबे, सत्यम दुबे, लक्ष्मण दुबे, शिवांश दुबे, संकल्प दुबे, अंश दुबे, वेद दुबे, अनुराग दुबे, हर्ष दुबे, यश दुबे, प्रिंस दुबे, वैभव दुबे सहित तमाम माताएं, बहनें एवं भक्तगण मौजूद रहे।

संसार में मानव जाति को मर्यादा की शिक्षा देने के लिए श्रीराम को लेना पड़ा अवतार : लहरी भईया

अखंड भारत संदेश

मेजा/प्रयागराज। भगवान श्रीराम सर्व समर्थ थेएवो करतुम, अकरतुम, अन्यथा करतुम कोई भी कार्य बड़ी ही आसानी से कर सकते थे।जब चाहेंए जहां चाहें और जैसे भी चाहेंएउनकी मर्जी पर निर्भर था कि वो कोई भी काम कब करेंगे। कहां करेंगे और कैसे करेंगे।

वो चाहते तो क्षीरसागर में लेटे लेटे ही मात्र रावण के विनाश का संकल्प करते और लंका में रावण का अंत हो जाता। रावण को मारने के लिए उन्हें अयोध्या में जन्म लेने की जरूरत नहीं पड़ती। क्यों की भगवान श्रीराम संकल्प सिद्ध थे। उक्त उद्गार पूर्वांचल यूपी के प्रसिद्ध समाज सेवक श्यामकांत शुक्ला उर्फ लहरी भइया ने दिनांक बीते शुक्रवार को मेजा तहसील क्षेत्र के नहवाईए मांडारोड के गांवों में आयोजित रामलीला मंच से दर्शकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि रामनाम संकीर्तन रामलीला समिति द्वारा आयोजित नहवाई मांडारोड गांव की रामलीला बड़ी ही पुरातन रामलीला है। जो पिछले करीब 50 वर्षों से शरद नवरात्रि के समय प्रतिवर्ष यहां भगवान श्रीराम की लीला का बड़ा ही उत्कृष्ट और सजीव मंचन किया जाता है। चौराहे पर स्थित होने के कारण आस पास के गावों से यहां हजारों लोगों की भीड़ इकट्ठी होती है। समाजसेवी श्यामकांत शुक्ला उर्फ लहरी भइया भी रात को गांव वालों के निमंत्रण पर नहवाईं गांव की रामलीला देखने पहुंचे। इस दौरान मंच पर विशाल फूलों का हार और अंगवस्त्र प्रदान कर उनका जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने भगवान श्रीराम की आरती कीए और वहां एकत्रित विशाल जन समुदाय को संबोधित किया। साथ ही साथ नहवाई रामलीला समिति को दस हजार एक सौ रुपए की सहयोग राशि भी प्रदान किया। श्री शुक्ल अपने संबोधन में आगे कहा कि यद्यपि भगवान श्रीराम सर्व समर्थ थे। बिना अवतार लिए भी वो रावण का अंत कर सकते थे। लेकिन संसार में मानव जाति को मर्यादा की शिक्षा देने के लिए उन्हें अवतार लेना पड़ा। मानव जाति के लिए मर्यादा की उच्च कोटि की शिक्षा उनकी लीलाओं में मिलती है। इसीलिए उनको मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम कहा जाता है। उनकी लीलाओं को बार बार याद करनेए सुमिरन करनेए मनन करनेए चिंतन करने और उनको अपने दैनिक व्यवहार में उतारने से मानव अपना कल्याण कर सकता है।रामलीला में कुंभकरण को जगानाएभगवान राम से उसका युद्धए कुंभकरण बधए मेघनाथ का कुंभला देवी को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ करनाए यज्ञ विध्वंसए मेघनाथ बधए अहिरावण द्वारा भगवान श्रीराम और लखन लाल को पाताल में ले जाकर छुपानाए अहिरावण बध आदि खेली गई लीलाओं की उन्होंने प्रशंसा किया। रामलीला में भगवान श्रीराम के किरदार में अभिषेक तिवारीए लक्ष्मण के किरदार में विकल्प तिवारीए रावण के किरदार में आशुतोष तिवारीए मेघनाथ के किरदार में बृजेश तिवारी और सीता के किरदार में उत्कर्ष तिवारी का रोल बहुत ही सराहनीय रहा। इस अवसर पर अध्यक्ष विकाश तिवारी विक्कीए कोषाध्यक्ष शैलेंद्र तिवारीए भाजपा नेता एवं सरकारी अधिवक्ता आनंद चौबेए अधिवक्ता विष्णू शंकर शुक्लाए लाल साहेब चौबेए व्यास गणेशबाबा गिरीए माता जतन तिवारीए अनुपम पांडेए छात्र नेता हेमंत तिवारीए जयप्रकाश बिंद आदि गणमान्य व्यक्तियों के अतिरिक्त हजारों लोगों की भीड़ नहवाई रामलीला मैदान पर मौजूद थी।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में भक्तों की आंखें रही नम

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज/प्रयागराज। दुर्गा पूजा पंडालों में चल रही दुर्गा पूजा का दशमी के दिन समापन हुआ। जिसके बाद भक्तों ढोल ताशे व डीजे पर बज रहे भक्ति धुन पर थिरकते हुए विसर्जन स्थल पर पहुच कर नम आंखों से माँ दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया। दुर्गा पूजा पंडालों में दुर्गा प्रतिमा स्थापित कर लोग कई दिन से विधि विधान से माँ की आराधना कर रहे थे। सुबह शाम आरती के साथ विविध कार्यक्रमो का भी पूजा पंडालों में आयोजन किया गया था। उत्साह पूर्वक चल रहे आयोजन के बाद जब दशहरे की दिन विदाई की बेला आई तो हर कोई उदास नजर आए। शनिवार की सुबह धूपए दीपए नैवेद्य चढ़ा कर भक्तों ने माँ से धनधान्य का आशीष लेकर अगले बरस फिर माँ आने की कामना के साथ माँ की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। पुलिस के साथ नगर निगम की टीम रही मुस्तैदमूर्ति विसर्जन के लिए अन्दावा तालाब पर शहर से लेकर झूंसीए बहादुरपुरए सैदाबादए सहसो आदि क्षेत्रों से मूर्तिया आई। दो दिनों में लगभग 400 से अधिक मूर्तिया विसर्जित हुई। प्रशासन की ओर से अंदावा तालाब पर चाकचौबंद व्यवस्था की गई थी मूर्ति विसर्जन करने आए लोगों को समस्या ना हो इसलिए नगर निगम की ओर से तीन जेटी बनाई गई थी। सफाई कर्मी घाट से लेकर सड़क तक सफाई में लगे थे। सरायइनायत पुलिसए के साथ ट्रैफिक पुलिसए जल पुलिस व पीएसी के जवान सुरक्षा व्यवस्था में लगे थे।

दशमी के दिन शनि मंदिर में भव्य आरती हुई

नैनी/प्रयागराज। नैनी क्षेत्र में शनिवार को शनि मंदिर में दशमी के दिन शनि भगवान की भव्य आरती हुआ भक्तों के जयकारों से गूंज के साथ की गईण्मंदिर के महंत प्रवीण मिश्र महराज ने पूजा की जिम्मेदारी पत्रकार विकास परिषद के मंडल उपाध्यक्ष प्रयागराज लोकेश तिवारी को निर्वहन करने के लिए दिया जिसको समयानुसार शंखनाद की गूंज के साथ पूजा सम्पन्न हुई जिसमें भारी संख्या में भक्त गण उपस्थित रहे आरती समारोह में भक्त राजा शुक्ला, विरेंद्र सिंह, राकेश गुप्ता, राजेश गुप्ता, उमेश कुशवाहा, अजय कुमार मिश्रा, अमित कुमार सोनी, भक्तों शामिल हुए।

पांडेयपुर की देवी मां का बाजे गाजे के साथ विसर्जन

अखंड भारत संदेश

जंघई/प्रयागराज। शारदीय नवरात्रि में बूढ़े नाथ सेवा समिति के तत्वाधान मे नव दुर्गा पूजा पंडाल में प्रतिदिन सुबह शाम भक्तों द्वारा पूजन.अर्चन आरती भजन कीर्तन किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तत्पश्चात नवरात्रि संपन्न होने पर पूर्णाहुति हवन आरती महाप्रसाद का आयोजन किया गया। दशहरे के दिन शनिवार को बाजे.गाजे डीजे के साथ मां की भव्य प्रतिमा की विसर्जन यात्रा निकाली गई और पास के जलाशय में विसर्जन किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान भानीपुर सौरभ पांडेय, कृपाशंकर मिश्रा, राजेंद्र प्रसाद पांडेय, रमेश पांडेय, राजेश पांडेय, मनीष पांडेय, आदर्श पांडेय, मुख्य यजमान सूरज पांडेय, अजीत सिंह, रंजीत यादव, संजय गौतम, अमन शर्मा, रिंकू विश्वकर्मा, संदीप सिंह, राजू सिंह, गोरेलाल शुक्ला, दूधनाथ साहू, लल्लू साहू, रोशन साहू, प्रधान प्रतिनिधि भानीपुर राकेश पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कथा को लेकर हुआ भण्डारा, श्रद्धालुओं ने चखा प्रसाद

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के डगरारा गांव में भगवान वामन महापुराण कथा का भजन एवं संकीर्तन के साथ समापन हुआ। कथा समापन को लेकर शुक्रवार की शाम हुए भण्डारे में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी दिखी। कथा के संयोजक समाजसेवी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने कथा व्यास प्रयागराज के सम्पूर्णानन्द जी महाराज का श्रद्धालुओं की ओर से श्रीअभिषेक किया। कथा व्यास सम्पूर्णानन्द जी महाराज ने कहा कि भगवान वामन की कृपा से मनुष्य का जीवन सभी लोकों में आनन्दित रहा करता है। उन्होंने कहा कि भगवान के प्रति सदैव समर्पण का निर्मल भाव ही पुण्यदायी हैं। समापन पर संगीतमयी भजन संकीर्तन में भी श्रद्धालु मंत्रमुग्ध दिखे। इस मौके पर पूर्व प्रधान राजू पाण्डेय, पवन सिंह, सूर्यबली सिंह, आलोक सिंह, अमर पाल सिंह, पप्पू तिवारी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, अनिल महेश आदि रहे।

जयकारों के साथ विसर्जित की गई मां दुर्गा की प्रतिमा

सिद्धपीठ सत्ती मां के मंदिर में हुई थी स्थापना

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। शारदीय नवरात्रि में पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा को श्रद्धालुओं ने शनिवार को विजयदशमी के पर्व पर श्रद्धा पूर्वक विसर्जित किया। स्थानीय क्षेत्र के नगर के साथ रानीगंज कैथौला बाजार, नया पुरवा, घुइसारनाथ, जलेसरगंज, सगर सुंदरपुर समेत गावों में स्थापित पंडालों में मां दुर्गा जी की प्रतिमा की नौ दिनों तक सनातनियों ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना के बाद शनिवार को विजयदशमी के अवसर पर विसर्जित किया।

नगर स्थित हनुमान मंदिर के पास स्थापित मां की प्रतिमा का विसर्जन बड़ी धूम-धाम के साथ सैकड़ों भक्तों ने आयोजक जय कौशल की अगुवाई में किया। मधुकरपुर में स्थापित मां दुर्गा जी की प्रतिमा का विसर्जन प्रधान देवेंद्र सिंह चैहान ने सैकड़ों भक्तों के साथ धूम-धाम से किया। रानीगंज कैथौला बाजार स्थित सिद्धपीठ मां सत्ती के मंदिर प्रांगण में स्थापित मां भगवती देवी को श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते व प्रसाद का वितरण करते हुए प्रतिमा को विर्सजन के लिए गए। इस दौरान महिलाओं ने मांगलिक गीत भी गाती हुई नजर आई। मां के भक्त एक दूसरे पर अबीर व गुलाल उड़ाते हुए खुश नजर दिखे। वहीं मां को विर्सजित करने के दौरान भक्तगणों की आंखे नम हो गई। इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन अग्रहरी, प्रधान ददन सिंह, रामबाबू सोनी, शरद सिंह, दिनेश सिंह वैद्य, प्रमोद सिंह, तीरथ मोदनवाल, जयप्रकाश केसरवानी, जयप्रकाश जायसवाल, सूर्यप्रकाश पाण्डेय, पुनीत सिंह, दुर्गेश केसरवानी, अमरनाथ केसरवानी, राजू केसरवानी, धीरज जायसवाल, नितिन सिंह, मोती सोनी, सुभाष केसरवानी समेत सैकड़ों भक्तगण मौजूद रहे।

फोटो 2-दुर्गा मां की प्रतिमा को विसर्जित करने ले जाते श्रद्धालुगण

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान जमकर चले लाठी डंडे किशोरी सहित छह घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दुर्गा पूजा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो पक्ष आमने-सामने हो गए। जिसमें जमकर लाठी डंडे चले किशोरी सहित छह को गंभीर चोटे आई। सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को 108 एंबुलेंस से पट्टी सीएचसी भेजा जहां पर हालत गंभीर होने के चलते किशोरी को जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है।

कोतवाली इलाके के सुखउ दुबौली गांव में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान मकरा मनभावना गांव के रहने वाले दिवाकर दुबे, दुर्गा प्रतिमा लेकर विसर्जन के लिए जा रहे थे। इस दौरान सुखउ दुबौली गांव के युवकों से झड़प होने लगी। और जम-कर लाठी डंडे चलने लगे। जिसमें घायल दिवाकर दुबे, सागर दुबे, साहिल मिश्रा, अंबुज मिश्रा, दूसरे पक्ष से रवि बिंद, कौशल्या, को मार-पीट के दौरान गंभीर चोटे आई। जिसकी सूचना पृथ्वीगंज चैकी इंचार्ज लक्ष्मी सिंगर को हुई तो वह मौके पर पहुंच कर 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सीएचसी भेजा। जहां पर किशोरी कौशल्या, की हालत गंभीर देखते हुए इलाज के उपरांत चिकित्सकों ने जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। कोतवाल आलोक कुमार का कहना है कि अभी किसी भी पक्ष से कोई तहरीर नहीं मिली है। मिलती है तो अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

इलाज के दौरान किशोरी की हालत गंभीर जिला मेडिकल कॉलेज रेफर

पुरानी पेंशन बहाली आन्दोलन के लिए संघर्ष कर रहे अटेवियंस, वैष्णो कालोनी में हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। ओपीएस पुर्नबहाली की लड़ाई पूरी ईमानदारी से लड़ने वाले अटेवा के जांबाज योध्दा सम्मान के सही हकदार है। निजीकरण, एनपीएस और यूपीएस के शोषण के विरोध में शिक्षक-कार्मिक पूरी तौर पर संगठित हो रहें है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बन्धु की जन्मभूमि कुण्डा क्षेत्र से उठी ओपीएस की चिंगारी वर्तमान में अखिल भारतीय क्रांति की सौर ऊर्जा बन गया है।

यह विचार अटेवा माण्डलिक महामंत्री डा0विनोद त्रिपाठी ने कुण्डा तहसील क्षेत्र के पेंशन विहीन अटेवियंस की वैष्णो कालोनी की बैठक में व्यक्त किया। अटेवा-कुण्डा तहसील क्षेत्र की बैठक में बाबूलाल, मंत्री-पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ कुण्डा ने बुढ़ापे की लाठी पुरानी पेंशन की उपादेयता की चर्चा। बैठक की अध्यक्षता अटेवा संरक्षक अजय कुमार मौर्य एवं संचालन अटेवा ब्लॉक मंत्री दीपचंद ने किया। जिला संयोजक सीपी राव ने कहा कि अटेवा-शिक्षकों और कर्मचारियों का उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा संगठन बन चुका है। पुरानी पेंशन का एक कर्मचारी के जीवन में सांसों के समान महत्व है। कार्यक्रम में जिला संयोजक सीपी राव, माण्डलिक महामंत्री डा0विनोद त्रिपाठी, जिला संयोजिका पार्वती मैम, जिला सोशल मीडिया प्रभारी विश्वदीप सिंह, नशीमा मैम, बिहार ब्लाक संयोजक भूपेंद्र गुलशन और मंत्री, कुण्डा संरक्षक जयराम यादव, बाबू लाल, सह संयोजक कृपा शंकर पाण्डेय, कुण्डा ए.आर.पी. कामता नाथ, मधुसूदन गोपाल, उमेश यादव, राम लखन यादव और राजेश यादव ब्लॉक संयोजक आदि जांबाज अटेवियन्स साथियों ने बैठक में प्रतिभाग किया।

बैठक में बोलते मुख्य अतिथि।

पटाखा फोड़ने से मना करने पर बच्चों सहित महिला को पीटा

पट्टी, प्रतापगढ़। पटाखा फोड़ने से मना करने पर युवक ने महिला को लाठी डंडों से मारने पीटने लगा। बीच बचाव करने आई बेटियों को भी मार-पीट कर घायल कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर टिटौली गांव की रहने वाली मोनी पांडे पत्नी उमेश पांडे ने प्रार्थना पत्र देकर आरोपित किया है शनिवार की देर रात्रि उसके देवर घर के सामने पटाखा फोड़ रहा था। मना करने पर उसे लाठी डंडों से मारने पीटने लगे हल्ला गुहार पर बेटीया बीच बचाव करने आई तो उसे भी लाठी डंडों से मार-पीट कर घायल कर दिए। घटना की सूचना पीड़िता ने डायल 1112 पुलिस को दी। मौके पर पुलिस पहुंची मामले की छानबीन कर वापस चली आई। रविवार की सुबह पीड़िता नामजद युवक के खिलाफ प्रार्थना दी।

अश्रुपूरित नैनों से माता रानी की हुई विदाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नौ दिन की पूजा अर्चना के बाद सैकड़ों दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन आज गाजे-बाजे के साथ नगर पालिका के द्वारा बनाये गये जलाशय में किया गया। नगर पालिका ने जलाशय स्थल के बाहर एक पण्डाल लगाकर तथा रंगोली बनाकर माता रानी की मूर्तियों का स्वागत अच्छे ढंग से करने की व्यवस्था की थी।

नया माल गोदाम रोड स्थित डा0 अनुराग की क्लीनिक पर स्थापित मां दुर्गा का विसर्जन भी आज बैण्डबाजा नगाड़ा के साथ नाचते-गाते महिला व पुरुष जलाशय पर गये और अश्रुपूरित नैनों से मां को विदाई दी। महिलाएं गा रही थी कि अगले बरस फिर आना मइया। इस दौरान अनुराग मिश्रा, कंचन मिश्रा, रीता सेंगर, ममता, कृष्णा मोदनवाल, वंदना मोदनवाल, देवेन्द्र सिंह, पं0 वासुदेव मिश्र, अतुल, भोला मिश्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।

दुर्गा मां की प्रतिमा को विसर्जित करने जाते श्रद्धालुगण।

असत्य पर सत्य की हुई जीत, धू-धू कर जला रावण का पुतला

प्रभु श्रीराम ने अहंकारी रावण का किया वध राम भक्तों ने लगाए जयकारे

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री रामलीला समिति द्वारा आयोजित विजय दशमी पर्व को ऐतिहासिक बनाने में सभी पदाधिकारी लगे रहे। शाम चार बजे प्रभु श्री राम अपनी सेना के साथ गोपाल मंदिर से निकले, जो भरत चैक होते हुए रामलीला मैदान पहुंचा।

वहीं रावण का रथ अपनी सेना के साथ पंजाबी मार्केट होते हुए रामलीला मैदान पहुंचा। वहां पर हाइड्रोलिक मंच से प्रभु श्री राम और अहंकारी रावण के बीच घंटों युद्ध चला। युद्ध में प्रभु श्री राम ने रावण का वध कर दिया। वध के साथ ही अहंकारी रावण का 60 फीट का पुतला भी धू-धू कर जल उठा। इसके पश्चात आतिशबाजी का कार्यक्रम घंटों तक चला।

विजयदशमी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, महामंत्री राजेश सिंह, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अनिल कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह, एडीएम त्रिभुवन विश्वकर्मा, सीओ सिटी शिवनारायण वैश्य, उपजिलाधिकारी सदर शैलेंद्र वर्मा, शहर कोतवाल अर्जुन सिंह, ईओ नगर पालिका राकेश कुमार, मेला प्रभारी गंगू आदि को प्रतीक चिन्ह व अंग वस्त्र देकर श्री रामलीला समिति के संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य, अध्यक्ष संजय खंडेलवाल, संयोजक दिनेश सिंह दिन्नू, मंत्री विपिन गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनीष गुप्ता आदि ने सम्मानित किया। प्रभु श्री राम ने रावण वध करने के पश्चात सभी अतिथियों व रामलीला समिति के पदाधिकारीयो ने प्रभु श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी महाराज की आरती उतारी। विजय रथ रामलीला मैदान से भरत चैक होते हुए लक्ष्मी नारायण मंदिर पर प्रभु का पूजन आरती हुई। विजय रथ पुनः वापस भरत चैक से चिलबिला हनुमान मंदिर पर पहुंचा। जहां पर विजय रथ का आरती पूजन कर वापस प्रतापगढ़ नगर भ्रमणकर गोपाल मंदिर में आकर विश्राम हुई। राम भक्त मेले में लगे झूले दुकानों का लुफ्त लेते रहे।

इतनी बडी भीड़ को नियंत्रित करने व सारे कार्यक्रम सकुशल संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन व राम भक्तों का श्री रामलीला समिति आभार ज्ञापित करती है। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथिगण में पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, विधायक राजेंद्र मौर्य, महामंत्री राजेश सिंह ,डीएम संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अनिल कुमार, आलोक मिश्रा, भाजपा नेता सौरभ पांडे, नीरज त्रिपाठी, पंकज शुक्ला, जय नारायण अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार, एडीएम त्रिभुवन विश्वकर्मा, एसडीएम सदर शैलेंद्र वर्मा, सीओ सिटी शिव नारायण वैश, शहर कोतवाल अर्जुन सिंह, एलायू विभाग की टीम व श्री रामलीला समिति के पदाधिकारीगण आलोक गर्ग, सौरभ पांडे, रमेश, सोमिल केसरवानी आदि मौजूद रहे।

राम वध के पहले भगवान राम-लक्ष्मण की आरती उतारते नेतागण।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी का पर्व

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में स्वयं सेवकों ने शस्त्र पूजन कर असत्य पर सत्य की विजय के पर्व को प्रेरणास्पद कहा। जिला प्रचारक सतीश ने कहा कि विजयादशमी के दिन 1952 में डॉ. हेडगेवार ने नागपुर में संघ की स्थापना कर भारतीय संस्कृति को मजबूत दिशा प्रदान की। उन्होनें कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष में पंचप्रण आधारित कार्य को विस्तारित किया जाएगा। सह जिला कार्यवाह शिवम के संयोजन में स्वयंसेवकों ने गणवेश में पथ संचलन भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उमाशंकर ने किया। इस मौके पर नगर संचालक संतोष, शैलेन्द्र, मनोज, शत्रुघ्न आदि रहे।

नगर पालिका के चुनाव में जुट जाएं कार्यकर्ताः श्यामलाल

सपा प्रदेश अध्यक्ष का सपाईयों ने किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का चैक घंटा घर पर सपाइयों ने किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष आशुतोष पांडे ने माला पहनकर उनका स्वागत किया। सपा प्रदेश अध्यक्ष प्रयागराज से होकर सुल्तानपुर जा रहे थे।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उनका मनोबल बढ़ाया और उन्होंने कहा कि पूरी जोर-शोर से आप सब नगर पालिका के चुनाव की तैयारी कीजिए। मौजूदा सरकार के ऊपर तंज करते हुए कहा कि यह बड़ी-बड़ी बातें करती हैं परंतु नवयुवकों के बारे में आज तक इस सरकार ने नहीं सोचा। यह सरकार किसी की पुण्यतिथि भी नहीं मानने देती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को हाउस अरेस्ट कर इसने साबित कर दिया परंतु इसके पश्चात भी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रोड पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि मनाई। इस मौके पर नगर नगर अध्यक्ष निसार अहमद, राजेश यादव, सफात खान, पंडित करोड़ीमल शर्मा, अनम सिद्दीकी, सोनू खान डब्बू श्रीवास्तव आशीष सद्दाम एडवोकेट आदि लोग मौजूद रहे।

सपा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते सपाई।

सपाईयों ने मनाई राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय मीरा भवन पर प्रखर समाजवादी नेता डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने बताया कि डॉक्टर लोहिया महान चिंतक और राजनीतिज्ञ थे। इस दौरान उनके विचारों को याद कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात सभी समाजवादी पार्टी लोहिया पार्क पहुंचे। यहां पूर्व विधायक नागेंद्र सिंह मुन्ना यादव ने माला अर्पण किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि जिस तरह ने लोहिया जी कार्य किए हैं हमारे देश के लिए अगर आज वह जीवित होते तो वह फिर से आंदोलन करना शुरू कर देते। मौजूदा सरकार सिर्फ छात्रों के ऊपर उत्पीड़न कर रही है। इस मौके पर अनिल यादव, जावेद खान, पंडित करोड़ीमल शर्मा, राजू यादव, प्रदीप यादव, विपिन सरोज, अनम सिद्दीकी, विकास यादव, बबलू पठान, शाहिद राइन, विकास यादव, मानवेंद्र पटेल, मनीष पाल, आशुतोष पांडे, संजीव पटेल, आजाद सिद्दीकी, अच्छे भाई, रियाजुद्दीन, विनोद यादव मनोज यादव आदि मौजूद रहे।

जिला कबड्डी चैंपियनशिप में विजेता टीम।

संस्कार ग्लोबल को शिकस्त देकर स्टेडियम की टीम बनी विजेता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला कबड्डी एसोसिएशन के तत्वावधान में स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को 46 वीं जूनियर बालक वर्ग जिला कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। क्रीड़ाधिकारी पूनमलता राज ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल में अनुशासन बनाये रखने की बात कही। चैंपियनशिप में कुल 12 टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मुकाबला स्टेडियम और संस्कार ग्लोबल स्कूल टेउंगा के मध्य खेला गया। दिलचस्प मुकाबले में संस्कार ग्लोबल स्कूल के 40 अंक हासिल किया जबकि 45 अंक अर्जित कर स्टेडियम टीम विजेता रही। जिला कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। लालजी तिवारी, मो.आसिफ खान, लालमणि सिंह, बबलू सिंह, संजय सिंह, जेपी यादव निर्णायक एवं शैलेश सिंह शैलू, कौशलेंद्र प्रताप सिंह स्कोरर रहे। जिला कबड्डी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र बहादुर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार जताया। जिला कबड्डी एसोसिएशन के सचिव डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह ने प्रतियोगिता का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

आयुषी ने वालीवॉल प्रतियोगिता में हासिल किया गोल्ड मेडल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर क्षेत्र के डांड़ी पूरे झलिहन की मेधावी ने राज्यस्तरीय वालीवाल क्लस्टर प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गांव के चंद्रभाल पाण्डेय की सुपौत्री आयुषी पाण्डेय सीबीएसई बोर्ड द्वारा वाराणसी में आयोजित राज्य स्तरीय वालीवॉल प्रतियोगिता में टीम का शानदार प्रतिनिधित्व किया। आयुषी ने टीम को चैंम्पियनशिप दिलाते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। सफलता को लेकर अब आयुषी का चयन नेशनल प्रतियोगिता में हुआ है। प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब हासिल करने के बाद आयुषी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप हरियाणा में अपना प्रदर्शन कर सकेंगी। आयुषी इस समय प्रयागराज स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल में हाईस्कूल की छात्रा है। आयुषी की सफलता की जानकारी गांव के लोगों को हुई तो उपलब्धि पर ग्रामीण व परिजन मगन दिखे।

हिंदू राष्ट्र के लिए एकजुट हाना जरुरीः धनंजय सिंह

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र के कालाकांकर के कुसवापुर राधे राधे गेस्ट हाउस में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं अंतर्राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा विजय दशमी के पर्व पर शस्त पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में आए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य धनंजय सिंह ने कहां कि हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए सभी हिंदुओं को जाति पार्टी का भेदभाव छोड़कर केवल हिंदू ही अपनी पहचान बनाना चाहिए। वहीं अंतर्राष्ट्रीय बजरंग दल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य तरुण शुक्ला ने सभी हिन्दू भाई से हनुमान चालीसा का पाठ हर गांव मे पाठ कराने के साथ हिन्दू जागरण कराये। इस मौके पर पूर्व प्रमुख बी0 एन सिंह, मिश्री लाल विश्वकर्मा, सुधीर शुक्ला, आनंद तिवारी, युवराज साहू, अनुज शुक्ला, संतोष तिवारी, गौरव शुक्ला, अंकित शुक्ला, अविनाश पाण्डेय, सुनील सोनी, अतुल पाण्डेय, डा सतीश शुक्ल, मनोज सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

जीवन अमूल्य है इसकी करें सुरक्षा

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर के अंतर्गत दिव्य ज्योति सेवा संस्थान द्वारा संग्रामगढ़ के निकट खनवारी में सड़क सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष डॉ0 रणजीत सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि आज के दौर में हर एक व्यक्ति को अपने मंजिल तक पहुंचने की जल्दी होती है, वह भूल जाता है कि सड़क पर चलते समय सरकार द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करना अधिक आवश्यक है चाहे वह सड़क पर वाहन प्रयोग कर रहा हो या वह व्यक्ति पैदल चल रहा हो उसे ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए। जागरूकता कार्यक्रम में विषेश रूप से आमंत्रित कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र प्रबंधक प्रदीप सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर मनीश सिंह, महेंद्र प्रताप, यतेंद्र कुमार, अरुण शुक्ला, हेमराज, इंद्रजीत, राम आसरे, दीपचंद, शिव शंकर, तेजा, धर्मेंद्र बाबा आदि लोग उपस्थित रहे।

मनौरी बाजार के ऐतिहासिक दशहरा को देखने उमड़ पड़ा जनसमुदाय

दशहरे के दिन 16 कलात्मक चौकियों के भव्य प्रदर्शन से भाव विभोर हुई जनता

प्रयागराज पुरामुफ्ती और कौशाम्बी पिपरी पुलिस की संयुक्त टीम ने सकुशल संपन्न कराया मनौरी का दशहरा

दशहरा मेले में उमड़ी लोगों की भारी भीड़

अखंड भारत संदेश

मनौरी कौशाम्बी। मनौरी बाजार का ऐतिहासिक दशहरा सकुशल संपन्न हुआ ,इस दशहरे में 16 कलात्मक चौकियों का भव्य प्रदर्शन देख जनता भाव विभोर हुई, दशहरे के दिन मनौरी रेलवे ग्राउंड पर बहुत विशाल मेला लगता है बड़े बुजुर्गो का कहना है कि यह मेला अंग्रेजो के समय से इसी स्थान पर लगता रहा है आज भी यही लग रहा है इस मेले को संपन्न कराने में रेलवे विभाग का बहुत बड़ा सहयोग रहता है चूंकि मनौरी का मेला पुरामुफ्ती और पिपरी थाना के मध्य पड़ता है इस लिए दोनो जगह की पुलिस सहयोग करती है इस बार मेले में चायल सीओ, पिपरी थानाध्यक्ष बलराम सिंह और पुरामुफ्ती थानाध्यक्ष मनोज कुमार रात दिन मेले की सुरक्षा में मुस्तैद रहे !

मनौरी का दशहरा श्री रामलीला समिति के कुशल नेतृत्व में मेला लगवाया जाता है इस बार समिति के संरक्षक शम्भू लाल केसरवानी, जगदीश चंद्र केसरवानी, राधेश्याम केसरवानी, हेम चन्द्र केसरवानी, सुधीर कुमार केसरवानी, अध्यक्ष कुबेर केसरवानी, प्रबंधक उमेश कुमार केसरवानी, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार केसरवानी, मनोज कुमार केसरवानी राकेश कुमार केसरवानी, रतन कुमार, राकेश गुप्ता, धीरेंद्र कुमार, अवधेश कुमार, नरोत्तम दास केसरवानी, राजेश कुमार गुड वाले,ि गरीश चंद्र गुप्ता, मनोज सोनी, सुनील साहू, अरविंद सोनकर, हरजीवन लाल, सब्बर अली, संजीव कुमार राजू भैया, शरद गुप्ता, शिव बाबू केसरवानी, रवि प्रधान आदि सैकड़ों लोगो ने बड़ी मेहनत करके दशहरे को सकुशल संपन्न कराया।

मनौरी मेला में श्री राम लला और खाटू श्याम की निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

नाचते गाते प्रभु का जयकारा लगाते हुए डीजे के धुन पर भक्ति गीत के साथ भक्तों ने शोभा यात्रा को पूरे मनौरी नगर में घुमाया

मनौरी कौशाम्बी। श्री रामलीला समिति के तत्वाधान में मनौरी बाजार के मेला में रविवार को मनौरी नगर के गणमान्य लोगो की तरफ से भगवान श्री राम लला और खाटू श्याम परिवार की तरफ से भगवान खाटू श्याम की शोभा यात्रा निकाली गई नाचते गाते प्रभु का जयकारा लगाते हुए डीजे के धुन पर भक्ति गीत के साथ भक्तों ने शोभा यात्रा को पूरे मनौरी नगर में घुमाया शोभा यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चायल चौकी इंचार्ज प्रमेश यादव और पुरामुफ्ती थानाध्यक्ष मनोज कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे और चायल के पूर्व विधायक संजय गुप्ता एवम मनौरी नगर के शम्भू लाल केसरवानी, जगदीश चंद्र केसरवानी, दीपू केसरवानी, हेम चन्द्र केसरवानी, अवधेश कुमार, धीरेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, संजीव कुमार, राकेश कुमार गुप्ता, वीरेंद्र कुमार, मनोज कुमार केसरवानी, रतन कुमार आदि हजारों की संख्या भक्तगण उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

संदिग्ध हालत में कुएं में मिला अधेड़ का शव

कौशाम्बी। जिले में रविवार की सुबह कुएं में संदिग्ध हालत में अधेड़ का शव मिलने से हड़कम्प मच गया,सूचना पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड टीम की सहायता से शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सराय अकिल थाना क्षेत्र अंतर्गत कनैली चौकी पुलिस को सत्तू सरोज उर्फ तेजा पुत्र अमरू ने सूचना देते हुए बताया कि उसके चाचा चौबेलाल पुत्र स्व0 पति सरोज उम्र लगभग 47 वर्ष कोलुहा मजरा छेकवा गांव के कुएं में गिर गए हैं, सूचना पर चौकी इंचार्ज दिलीप कुमार सिंह ने फोर्स के साथ मौके पर पहुँच कर फायर ब्रिगेड की रेस्क्यू टीम की मदद से शव को बाहर निकलवाकर कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है चौकी इंचार्ज दिलीप सिंह ने बताया कि प्रथम द्दष्टया से प्रतीत हो रहा है कि कुँए में गिरने के वजह से गम्भीर चोट आने के कारण मृत्यु हुई है आगे की कार्यवाही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जायेगी

दो ट्रकों की हुई जोरदार भिड़ंत

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज क्षेत्र के ककोढा पाँच पाण्डव ढाबा के पास रविवार की भोर में दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई है जिसमें चालक खलासी घायल हो गए हैं सूचना पाकर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है कांटेनर ट्रक पेंट लेकर राजस्थान से प्रयागराज को जा रहा था कोखराज थाना क्षेत्र में सामने से दूसरे ट्रक से टकरा गया है दुर्घटना में गुलाब चन्द्र पुत्र गुरु प्रसाद निवासी उन्नाव राजस्थान ड्राइवर को चोटें आई हैं जिसको पुलिस ने 108 नम्बर एम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है अन्य घायलों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है।

मंझनपुर के दशहरे मेले में रावध वध का दृश्य

धूमधाम से संपन्न हुआ शहजादपुर का दशहरा मेला

मेघनाथ के ब्रह्मास्त्र बाण से मूर्छित हुए लक्ष्मण राम ने बाणों की वर्षा कर रावण का लिया अंत

अखंड भारत संदेश

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी। शहजादपुर में शनिवार को विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान लंका मैदान पर आयोजित मेले में आए हुए लोगों ने जहां एक ओर खरीदारी किया। वहीं बच्चों ने झूले का लुत्फ उठाया।

महिलाओं ने भी जरूरतों के सामान खरीदे। पूरा मेला जनसैलाब से भरा हुआ था। मेले में राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती, राम-लक्ष्मण, सीता सहित कई आकर्षक चौकियां निकाली गई, जो लोगो के आकर्षण का केंद्र बनी रही। वहीं दूसरी जैसे ही रामदल बाजे- गाजे के साथ लंका मैदान पर पहुंचा तो जय श्रीराम नारों के साथ पूरा मैदान गूंज उठा। इसके बाद सर्व प्रथम सैकड़ों वर्षो से चली आ रही परंपरा के अनुसार रामदल व रावण दल के बीच यहां का गेंदा युद्ध शुरू हुआ। जिसमें संचालक के निर्देश के अनुसार दोनों दल एक दूसरे पर सुतली के बनाए गए गेंदों का एक दूसरे दल पर जमकर प्रहार किया। गेंदा युद्ध तीन राउंड खेला गया उसके बाद संचालक की अनुमति से गेंदा युद्ध समाप्त किया गया। उसके बाद मैदान में युद्ध लड़ने के लिए मेघनाथ आया। तब लक्ष्मण और मेघनाथ के बीच घनघोर युद्ध हुआ। जिसमें मेघनाथ ने ब्रम्हास्त्र का प्रयोग कर लक्ष्मण को मूर्छित कर दिया। लक्ष्मण के गिरते ही रामदल में निराशा छा गयी। तब सुग्रीव के कहने पर हनुमान लंका से सुषेन वैद्य को लाए। जिस पर उन्होंने कहा कि प्रातः होने से पहले यदि संजीवनी बूटी आ जाये तो लक्ष्मण के प्राण बच सकते है। जिस पर हनुमान हिमालय पर्वत पर बूटी न खोज पाने पर पूरा पहाड़ ही उठा लाये। जिस पर सुषेन वैद्य ने बूटी पहचान लिया। उसके प्रयोग से मूर्छित लक्ष्मण उठकर युद्ध के लिए पुनः तैयार हो गए और उन्हीं मेघनाथ को युद्ध के लिए ललकारते हुए मेघनाथ को युद्ध में धराशायी कर मार गिराया । उसके बाद राम और लक्ष्मण ने रावण पर बाणों की वर्षा कर दी, किन्तु रावण का सिर कटने के बाद पुनः वह जीवित हो उठता था। तब विभीषण ने बताया कि रावण की नाभि में अमृत है। इस पर श्रीराम ने एक साथ 31 बाणों का प्रयोग किया। जिस पर रावण का अंत हो गया और बुराई पर अच्छाई की जीत हो गयी। उपस्थित लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाकर एक दूसरे को गले लगाकर विजया दशमी की बधाई दी।

दशहरा मेले में रावध वध का दृश्य

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

कौशाम्बी। क्षेत्र के टांडा गांव निवासी पृथ्वी पाल अपने साथी जितेंद्र के साथ किसी काम से सैनी बाजार गए थे। लौटते वक्त सैनी स्थित गुरुकुल स्कूल के पास विपरीत दिशा से आई तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। दोनों को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दारानगर की ऐतिहासिक दो दिवसीय कुप्पी युद्ध सकुशल संपन्न

अखंड भारत संदेश

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम के दारानगर कस्बे के 245 वीं ऐतिहासिक दो दिवसीय कुप्पी युद्ध रविवार को सकुशल समापन हो गया। शनिवार को विजयदशमी के दिन कुप्पी युद्ध का शुभारम्भ हुआ। पहले दिन राम व रावण दल के बीच चार युद्ध हुए। वही एकादशी के दिन तीन युद्ध दोनो दलों के बीच लड़े गए। अंतिम युद्ध में श्रीराम की विजय के साथ भारी भीड़ के मध्य मेले का समापन हुआ।

दारानगर रामलीला के ऐतिहासिक कुप्पी युद्ध के लिए म्योहरा गांव में युद्ध का मैदान सजाकर उसकी बैरिकेटिंग करायी गयी थी। दोनों दिन राम दल व रावण दल की सेनाओं के बीच रोमांचकारी कुप्पी युद्ध हुआ। काले रंग के कपड़े में रावण दल व लाल रंग के कपड़े में राम दल के बीस-बीस सेनानी प्लास्टिक की कुप्पी लेकर मैदान में उतरे। पहले दिन चार चरणों में युद्ध हुआ। परंपरा के अनुसार पहले दिन की चारों लड़ाई में रावण की सेना श्रीराम की सेना पर भारी पड़ी। जबकि दूसरे दिन तीन युद्ध हुआ। इसमें तीनो युद्ध जीत कर राम की सेना विजई हुई। रावण का वध होते ही पूरा युद्ध मैदान राजा रामचन्द्र की जय के उदघोष से गूंज उठा। रविवार को दूसरे दिन युद्ध इतना रोमांचक रहा कि देखने वालो के रोंगटे खड़े हो गए। कुप्पी युद्ध में सेनानी घायल भी हो जाते है, लेकिन रणभूमि की मिट्टी ही इनके लिए दवा का काम करती है। सेनानी बताते है कि इस युद्ध मे शामिल होना उनके लिए गौरव की बात है। एक कुप्पी युद्ध के संपन्न होने पर मेघनाथ वध और कुंभकर्ण वध सहित अन्य लीलाएं होती है। दारानगर की रामलीला का इतिहास 245 वर्ष पुराना है। इस दौरान एसडीएम अजेंद्र सिंह, क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा, अधिशासी अधिकारी वैभव चौधरी, थानाध्यक्ष कड़ाधाम धीरेंद्र सिंह, कमेटी के अध्यक्ष जय मणि तिवारी, मूल प्रकाश तिवारी आद्या प्रसाद पांडेय, नील कमल मिश्रा सहित कमेटी के लोग मौजूद रहे।

राम दल व रावण दल की सेनाओं के बीच रोमांचकारी कुप्पी युद्ध का दृश्य

मूर्ति विसर्जन के दौरान दो समुदाय में हुए विवाद की जांच को पहुंचे एडीजी जोन व आईजी प्रयागराज

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी मंझनपुर। कोतवाली क्षेत्र के बलीपुर नारा गांव में नवदुर्गा की मूर्ति विसर्जन के दौरान दो समुदाय के लोगों में हुए विवाद की जांच को एडीजी व आई जी प्रयागराज जोन कौशाम्बी पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों से इस मामले में बात की। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नारा बलीपुर गांव में शनिवार की दोपहर मूर्ति विसर्जन के लिए जा रहे लोगों द्वारा उड़ाया जा रहा गुलाल इमामबाड़ा के चबूतरे पर चला गया, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया, दोनों समुदाय के लोगो में जमकर मार पीट हुई, जिसमें कुछ लोगों को मामूली चोटे भी आई। इसकी सूचना जैसे ही प्रयागराज एडीजी भानु भास्कर व आई जी प्रेम गौतम को हुई तो वह रविवार की दोपहर कौशाम्बी पहुंचे और डीएम मधुसूदन हुल्गी एसपी ब्रजेश श्रीवास्तव के साथ घटना स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। विवादित स्थल की कड़ी निगरानी के लिए ड्रोन से शरारती तत्वों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

एडीजी जोन प्रयागराज भानु भास्कर ने बताया इस मामले में अब तक 28 लोगों पर [illegible] दर्ज की गई है साथ ही विवेचना के लिए रक्ळ का गठन किया गया है। गांव के समझदार लोगो से बात कर गांव में शांति बहाल की गई है। इस मामले में सोशल मीडिया के माध्यम से नफरत फैलाने वाले शरारती तत्वों पर कौशाम्बी पुलिस बारीकी से नजर बनाए हुए है। पोस्ट व शेयर करने वाले पर एफ आई आर दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल बलीपुर नारा गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है, पुलिस हर एंगल से शरारती तत्वों पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है। इस घटना की मॉनिटरिंग जिले के उच्च अधिकारियों की देख रेख में की जा रही है।

दोनों पक्षों से बातचीत करते पुलिस अधिकारी

चरवा मेले में सीओ चायल ने चरवा पुलिस बल के साथ किया पैदल गस्त, लोगो को सुरक्षा व्यवस्था का दिलाया भरोसा

अखंड भारत संदेश

महगांव कौशाम्बी। नगर पंचायत चरवा में चार दिवसीय दशहरा मेला लगा है, रविवार को मेले में भरी भीड़ देखने को मिली मेले में आए हुए लोगो ने कोई समस्या न हो इसके लिए चरवा पुलिस पहले से मुस्तैद है और मेले के चप्पे चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात है वही महिला पुलिस भी मेले में महिला सुरक्षा पर ध्यान दे रही है। रविवार की शाम मेले में बड़ी संख्या में लोग मेला देखने पहुंचे इस दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न फैले इस लिए पहले से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। मेले में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने सीओ चायल मनोज कुमार सिंह रघुवंशी पहुंचे और पुरे मेले में पैदल गस्त कर मेले में आए हुए लोगो को सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिलाया वही इस दौरान चरवा थाना प्रभारी जगदीश कुमार पुलिस बल के साथ मौजुद रहे। सीओ चायल ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से मेले में पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है वही थाना प्रभारी पुरी मुस्तैदी से कड़ी नजर रख रहे हैं। चार दिवासीय मेले को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। थानाध्यक्ष जगदीश कुमार ने बताया कि मेला अभी तक शांति पूर्ण रहा किसी प्रकार की कोई घटना या दुर्घटना नही हुई, रात्रि में रामलीला भी चल रही है उसके लिए रात्रि गस्त और पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं शान्ति व्यवस्था कायम है।

मेले में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते सीओ चायल

संदिग्ध दशा में किशोरी को लेकर फरार

कौशाम्बी। पिपरी थाना इलाके का युवक सब्जी विक्रेता है। उसने बताया कि लोकसभा चुनाव से पहले जौनपुर का रहने वाला युवक एक संगठन के लिए प्रचारक के रूप में कस्बे में आया था। उस प्रचारक को उसने घर के बगल में एक कमरा रहने के लिए दे दिया था। वह दिन में गांव.गांव जाकर प्रचार करता था। उसने गुरुवार को अपने घर जौनपुर जाने को कहा था। वह सुबह सब्जी बेचने चला गया था। इसी दौरान उसकी 17 वर्षीय बहन घर से लापता हो गई। उसने काफी खोजबीन की। खोजबीन के दौरान पता चला कि वह प्रचारक के साथ फरार हो गई है। पीड़ित ने आरोपी प्रचारक के खिलाफ बहन को बहला.फुसलाकर भगा ले जाने की तहरीर दी है।

गाजे-बाजे के साथ निकली माता की प्रतिमाएं

भक्तों ने डीजे की धुन पर किया डांस! मां को दी विदाई,ससुर खदेरी नदी तट पर पहुंचे श्रद्धालु

अझुवा कौशांबी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि का उल्लास चरम पर रहा है आज विजयदशमी के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन बड़े धूमधाम से किया गया दुर्गा पूजा कमेटियों ने इस खास मौके पर भव्य जुलूस का आयोजन किया जिसमें श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की प्रतिमाओं को सजे हुए रथ पर बिठाकर गाजे बाजे के साथ पूरे नगर क्षेत्र में भ्रमण किया । सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग से पूरे क्षेत्र में डटा रहा ताकि शोभा यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। वहीं ससुर खदेरी नदी तट पर नगर प्रशासन ने साफ सफाई करवाकर स्वच्छ जल पान की व्यस्था की थी मौके पर पुलिस प्रशासन पूर्ण मुस्तैदी से डटा रहा है।

सम्पादकीय

रतन टाटा : दिखावे से दूर एक शालीन उद्योगपति

जेआरडी स्पष्ट रूप से करिश्माई थे लेकिन रतन टाटा अभी भी एक शालीन नेता के रूप में खड़े थे जिन्होंने आज की बड़बोली और तेजतर्रार व्यापारिक दुनिया में शिष्टता और समझदार तरीके को बनाए रखा था। एक ऐसे युग में जब व्यापारिक नेता सोशल मीडिया पर अनिवार्य रूप से बोलते हैं, अपनी भड़कीली रुचियों के बारे में बताते हैं या अपनी पहुंच और शक्ति का प्रदर्शन करते हैं, तो ऐसे मामलों में रतन टाटा अलग थे। पद्म विभूषण रतन नवल टाटा का निधन टाटा समूह और भारतीय व्यापार व उद्योग की व्यापक दुनिया के लिए एक युग का अंत है। टाटा समूह का उन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक नेतृत्व किया। टाटा समूह के प्रमुख के रूप में रतन टाटा का कार्यकाल उदारीकरण के युग के साथ का सह-टर्मिनस था जिसने भारतीय व्यापार परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल दिया और उसे साहसिक दांव, गहरे बदलाव और नई दिशाओं में ले गया। इनमें से कुछ भी आसान नहीं था, विशेष रूप से यह देखते हुए कि रतन टाटा को उस समूह को स्थानांतरित करने का काम सौंपा गया था जो हिंदू विकास दर की भारतीय कहानी का इतर हिस्सा था। उन्होंने इसे तेजी से आगे बढ़ाने और उच्च स्तर पर देखने की जिम्मेदारी उठाई। इसका मतलब था बदलाव करना। अर्थात रतन टाटा पहले टाटा कंपनी को पुराने नियंत्रण से मुक्त कर अपने पूर्ण नियंत्रण ले सकें और फिर संगठन को दायरे और आकार पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकें। दुनिया की सबसे सस्ती कार का निर्माण (या लोगों की कार, जैसा नैनो को कहा जाता था), सॉफ्टवेयर दिग्गज टीसीएस को सार्वजनिक करना, टेटली और जगुआर लैंड रोवर को खरीदना उनके करियर की कुछ झलकियां हैं जिन्होंने समूह को हिलाकर रख दिया लेकिन इसके बावजूद जहाज को स्थिर रखा।

यह एक चुनौतीपूर्ण यात्रा थी। रतन टाटा शांति के साथ काम करना पसंद करते थे इसलिए इस यात्रा को इसके सभी विस्तार के साथ कभी भी पूरी तरह से नहीं बताया गया। अपने पूर्ववर्ती जेआरडी टाटा के आकर्षण और चुंबकत्व के बिल्कुल विपरीत रतन टाटा अपने पूरे जीवन में अंतमुर्खी बने रहे। जेआरडी स्पष्ट रूप से करिश्माई थे लेकिन रतन टाटा अभी भी एक शालीन नेता के रूप में खड़े थे जिन्होंने आज की बड़बोली और तेजतर्रार व्यापारिक दुनिया में शिष्टता और समझदार तरीके को बनाए रखा था। एक ऐसे युग में जब व्यापारिक नेता सोशल मीडिया पर अनिवार्य रूप से बोलते हैं, अपनी भड़कीली रुचियों के बारे में बताते हैं या अपनी पहुंच और शक्ति का प्रदर्शन करते हैं, तो ऐसे मामलों में रतन टाटा अलग थे। वे हमेशा सुर्खियों से दूर और अलग-थलग रहे। लगभग बंद दरवाजों के पीछे उन्होंने अपने जीवन के 86 साल बिताये।

टाटा समूह के जाने-माने इतिहासकार स्वर्गीय रूसी एम लाला ने एक बार बातचीत में कहा था- 'रतन टाटा के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है,' और यह कि 'जेआरडी को रतन पर गर्व होगा।' लाला ने कहा था, 'कुछ अर्थों में यह हो सकता है या यह तर्क देना संभव है कि रतन ने जो हासिल किया है- बिना करिश्मे, व्यक्तित्व या जेआरडी के चुंबकत्व के- वह जेआरडी की उपलब्धि से अधिक है।

जम्मू-कश्मीर : मोदीशाही की हार

- राजेन्द्र शर्मा

पहले हरियाणा की भाजपा की जीत। बेशक, भाजपा का लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाना, उसकी एक बड़ी कामयाबी है। यह कामयाबी इससे और भी बड़ी हो जाती है कि भाजपा ने इस बार, पिछले चुनाव के मुकाबले अपनी सीटों और मत फीसद, दोनों में बढ़ोतरी कर, जीत हासिल की है। वास्तव में 2019 के चुनाव में भाजपा को काफी धक्का लगा था और उसे अपने बल पर बहुमत हासिल नहीं हुआ था। मंगलवार, 8 अक्टूबर को आये चुनाव के नतीजों में प्रकटतः मुकाबला एकदम बराबरी पर छूटा है। हरियाणा में नब्बे में से 48 सीटों के साथ भाजपा तीसरी बार सरकार बना रही है, तो जम्मू-कश्मीर में नब्बे सीटों में से ही 49 सीटों के साथ, इंडिया गठबंधन की सरकार बनना तय है, जिसका नेतृत्व नेशनल कान्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला के करने की संभावना है। बहरहाल, इसे मीडिया पर मोदी राज तथा सत्ताधारी पार्टी की पूरी तरह से जकड़ और सत्ताधारी संघ-भाजपा की मनमाफिन नैरेटिव गढ़ने की महारत का ही साक्ष्य माना जाएगा कि आम तौर पर चुनाव के इस चक्र का नतीजा यही बताया जा रहा है कि, भाजपा की जीत हुई है। और यह प्रस्तुति चुनाव के इस चक्र में जीत के दावे तक ही नहीं रुकती है। इससे आगे बढ़कर, भक्त मीडिया ने न सिर्फ इसके दावे करने शुरू कर दिए हैं कि इससे महाराष्ट्र तथा झारखंड के अगले कुछ महीनों में ही होने जा रहे चुनावों में भी भाजपा की जीत का रास्ता बन गया है, बल्कि इसके दावे भी किए जा रहे हैं कि चंद महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में जो मोदी और भाजपा के खिलाफ वातावरण बना था, बदलकर मोदी और भाजपा के पक्ष में हो चला है! महाराष्ट्र में भाजपा के सर्वोच्च नेता तथा उप-मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडनवीस ने खासतौर पर हरियाणा के चुनाव नतीजों के आधार पर यह दावा किया है। लेकिन, चुनाव के इस चक्र के वास्तविक नतीजे तो ऐसे किसी निष्कर्ष की किसी भी तरह इजाजत नहीं देते हैं। उल्टे जैसाकि हम आगे देखेंगे, जम्मू-कश्मीर में मोदीशाही की हार ही इस चुनाव की असली कहानी है, न कि हरियाणा की भाजपा की जीत। बहरहाल, पहले हरियाणा की भाजपा की जीत। बेशक, भाजपा का लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाना, उसकी एक बड़ी कामयाबी है। यह कामयाबी इससे और भी बड़ी हो जाती है कि भाजपा ने इस बार, पिछले चुनाव के मुकाबले अपनी सीटों और मत फीसद, दोनों में बढ़ोतरी कर, जीत हासिल की है। वास्तव में 2019 के चुनाव में भाजपा को काफी धक्का लगा था और उसे अपने बल पर बहुमत हासिल नहीं हुआ था, जिसके चलते उसे दुष्यंत चौटाला की जेजेपी के साथ इस बार के चुनाव से ऐन पहले तक गठजोड़ सरकार चलानी पड़ी थी। बहरहाल, इस बार भाजपा को फिर से पूर्ण बहुमत मिल गया है और उसका मत प्रतिशत भी, पिछले चुनाव के 36.49 फीसद से बढ़कर 39.89 फीसद हो गया है। लेकिन, इस चुनाव में भाजपा कामयाबी की कहानी इतनी ही है, न इससे जरा भी कम और न रत्तीभर ज्यादा। जहां तक इस चुनाव में कुल मिलाकर चुनावी/राजनीतिक वातावरण में मोदी और उनकी भाजपा के पक्ष में किसी भी तरह के बदलाव के संकेतों का सवाल है, ये संकेत भक्तों की कल्पनाओं की ही उपज हैं। इसके विपरीत, सच्चाई यह है कि हरियाणा के नतीजे का अगर कोई संकेत है, तो वह यही है कि आम चुनाव के समय का वातावरण जस का तस बना हुआ है। इस सच्चाई का इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि अगर लोकसभा चुनाव में हरियाणा की दस सीटें, कांग्रेस और भाजपा के बीच बराबर बंटी थीं–दोनों के हिस्से में पांच-पांच सीटें आई थीं–तो इस चुनाव में भी भाजपा और कांग्रेस का मत फीसद लगभग बराबर है। इस चुनाव में जहां भाजपा को 39.9 फीसद के करीब वोट मिला है, कांग्रेस तथा उसकी सहयोगी सीपीएम को मिलाकर 39.3 फीसद वोट मिला है। रही बात 2019 के चुनाव के मुकाबले भाजपा की सीटों तथा मत फीसद दोनों में बढ़ोतरी की, तो सच्चाई यह है कि कांग्रेस की सीटों में ही चार की बढ़ोतरी नहीं हुई है, उसके मत फीसद में भी पूरे 11 फीसद की नाटकीय बढ़ोतरी हुई है। 2019 के चुनाव में कांग्रेस का वोट कुल 28.08 फीसद था, जो इस बार 39.09 फीसद पर पहुंच गया है। यानी जनमत के समर्थन के लिहाज से, इस चुनाव में भाजपा के हिस्से में अगर कामयाबी आई है, तो कांग्रेस के हिस्से में उससे भी बड़ी कामयाबी आई है। लेकिन, कांग्रेस के हिस्से की यह कामयाबी, आम चुनाव के समय की उसकी कामयाबी जितनी ही थी, न ज्यादा न कम।

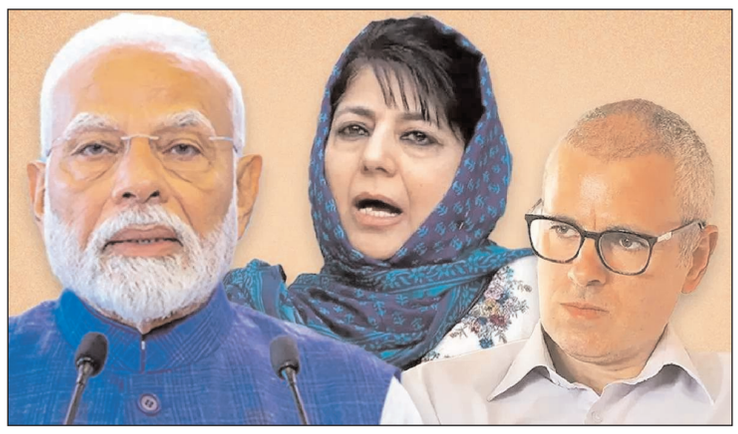

अब हम आते हैं, जम्मू-कश्मीर में भाजपा की भारी हार पर। यह हार भारी सिर्फ इसलिए नहीं है कि भाजपा सिर्फ 29 सीटों पर अटक गयी है, जबकि उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, इंडिया गठबंधन ने नेशनल कान्फ्रेंस की 42, कांग्रेस की 6 और सीपीएम की 1 सीट के साथ, 49 का आंकड़ा छू लिया है, जो निर्वाचित विधायकों के बीच पूर्ण बहुमत से ज्यादा ही है। यह हार भारी सबसे बढ़कर इसलिए है कि इस चुनाव नतीजे के इस अर्थ में विचारधारात्मक हैं कि इनके जरिए जम्मू-कश्मीर की जनता ने आम तौर पर मोदीशाही की नीतियों को और खासतौर पर 5 अगस्त 2019 से लगाकर उसके कथित बड़े फैसलों को ठुकराया है, जिनमें धारा-370 को खत्म करना, उसका राज्य का दर्जा खत्म करना और इस तरह पहले के इस राज्य को दो केंद्र-शासित प्रदेशों में बांटना शामिल है। प्रधानमंत्री ने 8 अक्टूबर की ही शाम के, भाजपा कार्यालय में अपने 'विजय संबोधन' में हाथ की चतुराई दिखाते हुए, यह दिखाने की कोशिश की थी कि जम्मू-कश्मीर में भी जनता का फैसला उनकी पार्टी की कामयाबी को दिखाता है, जहां भाजपा ने 2014 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले न सिर्फ अपनी सीटों में 4 की बढ़ोतरी कर ली है, इसी दौरान अपना मत फीसद भी 22.98 फीसद से बढ़ाकर 25.64 फीसद कर लिया है। इससे भी बड़ी बात यह कि 42 सीटें हासिल करने के बावजूद, नेशनल कान्फ्रेंस का वोट भाजपा के वोट से 2 फीसद कम ही रहा है और इस तरह भाजपा जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है। लेकिन, यह दावा इस सच्चाई को छुपाने की चतुराई पर आधारित है कि नेशनल कान्फ्रेंस ने अकेले नहीं, इंडिया गठबंधन के हिस्से के तौर पर यह चुनाव लड़ा था और तुलना के लिए इंडिया गठबंधन का पूरा वोट हिसाब में लिया जाना चाहिए, जो 37 फीसद से ऊपर बैठता है यानी भाजपा के वोट से 11 फीसद से भी ज्यादा। यह साफ तौर पर भाजपा की हार को दिखाता है। लेकिन, वास्तव में इस चुनाव में मोदीशाही और भाजपा की हार इससे भी ज्यादा भारी है। इसकी सीधी सी वजह यह है कि हरियाणा के विपरीत, जहां भाजपा, कांग्रेस से ठीक बराबर मत फीसद के बल पर, कम से कम अपने मुद्दों के आधार पर किसी निर्णायक जीत का दावा करती है तो उसे झूठा ही माना जाएगा, जम्मू-कश्मीर में इस केंद्र शासित क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार द्वारा लिए गए फैसलों के आधार पर, जनता ने भाजपा के खिलाफ निर्णायक रूप से वोट किया है। जाहिर है कि जनता का यह निर्णायक फैसला सिर्फ इंडिया गठबंधन के पक्ष में पड़े वोट में ही प्रतिबिंबित नहीं होता है। यह फैसला, पीडीपी के 8.89 फीसद वोट में भी अभिव्यक्त होता है। और सच तो यह है कि यह फैसला, अन्य छोटी-छोटी पार्टियों व निर्दलीयों को पड़े 24.83 फीसद वोट में भी प्रतिबिंबित होता है। संक्षेप में कहें तो जम्मू-कश्मीर के चुनाव में राजनीतिक-वैचारिक रूप से एक ओर भाजपा और दूसरी ओर बाकी सब का विभाजन था और इस विभाजन में भाजपा को कुल एक चौथाई वोट मिला है, जबकि पूरा तीन-चौथाई वोट उसके खिलाफ पड़ा है। यह जम्मू-कश्मीर की जनता द्वारा मोदीशाही के फैसलों, नीतियों और पैंतरों के निर्णायक रूप से ठुकराए जाने का ही सबूत है। बेशक, इसका अर्थ यह हर्गिज नहीं है कि जम्मू-कश्मीर में जनतांत्रिक ताकतों के लिए, संघ-भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति की चुनौती कोई कम हो गयी है। उल्टे सीटों की बढ़ी हुई संख्या और भाजपा के हिस्से में करीब हरेक चौथा वोट जाना, इस चुनौती के बढ़ने का ही इशारा करता है। इसी का एक और भी खतरनाक पहलू है, भाजपा की हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक पहचान और उसके हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक आधार का और ज्यादा पुख्ता होना। यह संयोग ही नहीं है कि भाजपा को सारी तिकड़मों के बावजूद, उसे सारी सीटें जम्मू क्षेत्र के हिंदू-बहुल इलाकों से ही मिली हैं और कश्मीर की घाटी में उसे 2 फीसद से जरा से ज्यादा वोट ही मिले हैं। दूसरी ओर, भले ही जम्मू क्षेत्र में लगभग 45 फीसद वोट हासिल कर, भाजपा ने अपना बोलबाला कायम रखा हो, फिर भी इस क्षेत्र में करीब हरेक तीसरा (32.8प्रतिशत) वोट हासिल कर, इंडिया गठबंधन ने यह दिखा दिया है कि वही व्यापक रूप से जम्मू-कश्मीर की तमाम जनता का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि भाजपा उसके सिर्फ हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है। बहरहाल, यह चुनाव इस हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक हिस्से के और बढ़ने को भी दिखाता है। इसमें आगे जनतांत्रिक ताकतों के लिए चुनौतियां और बढ़ने के ही बीज छुपे हुए हैं। अपने इस बढ़े हुए आधार को, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और बढ़ाने के जरिए पुख्ता करने की ।

पूरब के ऑक्सफोर्ड में किताबों पर बुलडोजर

- सर्वमित्रा सुरजन

फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार-बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनावी गहमागहमी के बीच बहुत सी जरूरी खबरें हाशिए पर धकेली गईं, इन्हीं में से एक खबर आई मौजूदा प्रयागराज यानी अतीत के इलाहाबाद से। खबर यह कि अब बुलडोजर का जोर मकानों से बढ़ते हुए पुस्तकों पर भी असर दिखाने लगा है। बीते शनिवार नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने फुटपाथ पर पुरानी किताबें बेचकर आजीविका कमाने वाले एक गरीब दुकानदार के बक्से को बुलडोजर से रौंद डाला। दुकानदार लोहे के इसी बाक्स में पुरानी किताबें रखता था, पढ़ने-लिखने के शौकीन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले और जरूरतमंद विद्यार्थी इन पुरानी किताबों को सस्ते दामों पर खरीदते थे। इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के बाहर के फुटपाथ पर कई दुकानदार पुरानी किताबों की दुकान लगाते हैं, और यह सिलसिला बरसों से चल रहा है। लेकिन अब नगर निगम को इसमें अवैध कब्जा नजर आया और उसने अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई। तमाम दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वो अपना सामान फुटपाथ से हटा लें, बहुतों ने हटा भी लिया, लेकिन एक गरीब दुकानदार किताबें नहीं समेट पाया, तो फिर बुलडोजर चलाकर उन किताबों के चिथड़े इस तरह उड़ाए गए, उन्हें इस तरह रौंदा गया कि समाज पढ़ाई-लिखाई से तौबा कर ले। शायद सत्ता की मंशा भी यही है। क्योंकि पढ़ी-लिखी जमात से उसे डर लगता है कि वह खुद तो सवाल करेगी ही, समाज को भी तर्क करने के गुर सिखाएगी।

इस इलाहाबाद को अपने नाम के साथ जोड़ने वाले मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी ने कभी लिखा था- हम ऐसी कुल किताबें काबिल-ए-जब्ती समझते हैं कि जिन को पढ़ के लड़के बाप को खब्ती समझते हैं

लेकिन इन पंक्तियों को पढ़कर कोई ये समझने की भूल न करे कि अकबर इलाहाबादी पढ़ने-लिखने के खिलाफ थे, क्योंकि इन्हीं अकबर इलाहाबादी ने यह भी लिखा था कि-

खींचो न कमानों को न तलवार निकालो।
जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।।

किताबों को जब्ती के काबिल समझने की बात करने वाले शायर ने नयी पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच विचारों के अंतर और असहमति को रेखांकित किया था। जब अकबर इलाहाबादी तोप का सामना करने के लिए अखबार निकालने का मशविरा देते हैं तो वे समाज को यह समझाते हैं कि सत्ता के किसी भी जुल्म का मुकाबला समाज की जागरुकता से ही किया जा सकता है। और समाज पढ़-लिख कर ही जागरुक हो सकता है। लेकिन आज के सत्ताधीश तो किताबों को जब्त करने के बाद अब उन्हें कुचलने पर आमादा हो गए हैं, यह बात डरावनी है।

लायब्रेरी पर हमले, किताबों की प्रतियां जलाना, किसी किताब का विरोध कर उसे प्रतिबंधित करवाना ये सारे पैंतरे भी पहले भी असहमति से डरने वाले लोग आजमाते रहे हैं। 2004 में पुणे के प्रसिद्ध भंडारकर प्राच्यविद्या संस्था पर जनवरी 2004 में संभाजी ब्रिगेड के तकरीबन 100 कार्यकताओं ने तोड़फोड़ की थी और यहां के इतिहासकारों के साथ मार-पीट भी की थी। संभाजी ब्रिगेड को नाराजगी थी कि अमेरिकन लेखक जेम्स लेन ने छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र पर लिखी किताब 'शिवाजी हिन्दू किंग इन इस्लामिक इंडिया' में उनके बारे में कुछ विवादास्पद बातें लिखी हैं और भंडारकर संस्थान के इतिहासकारों ने इसमें जेम्स लेन की मदद की है। अपनी नाराजगी जतलाने का यही तरीका उन्हें समझ आया कि मार-पीट और तोड़-फोड़ करो। इस मामले में 2017 में सभी 68 आरोपियों को निर्दोष भी करार दे दिया गया। इसके बाद भी ऐसी और घटनाएं हुईं।

2020 में सीएए विरोधी आंदोलन को कुचलने के फेर में दिल्ली पुलिस ने किस तरह जामिया मिलिया इस्लामिया विवि की लायब्रेरी में घुसकर पढ़ाई कर रहे छात्रों पर लाठियां चलाई थीं, उसके वीडियो दुनिया ने देखे। इसी तरह पिछले साल अप्रैल में बिहार शरीफ में भड़के दंगों में उत्पाती भीड़ ने 110 साल पुराने अजीजिया मदरसे और लायब्रेरी को आग के हवाले कर दिया था। जिसमें इतिहास, अंग्रेजी साहित्य, प्राचीन पांडुलिपियों और धर्मग्रंथों से संबंधित 4500 से अधिक पुस्तकें जल गईं। पांच दिनों तक ऐतिहासिक महत्व की पुस्तकें और दस्तावेज जलते रहे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद जून 2024 में ही नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन किया तो अतीत के गौरव और पुनर्जागरण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कहीं। तब वह प्रसंग भी लोगों को याद दिलाया गया कि 1193 में नालंदा विवि को बख्तियार खिलजी ने आग के हवाले किया था और हफ्तों तक यहां किताबें जलती रही थीं। लेकिन तब बिहार शरीफ की ऐतिहासिक लायब्रेरी को जलाने की बात याद नहीं आई।

अतीत की घटना को तो कोई बदल नहीं सकता, 12वीं सदी में न भारत संघीय गणराज्य था, न लोकतांत्रिक शासन था। लेकिन अभी तो हम दस सदी आगे आ चुके हैं, और समाज में असहमति को कुचलने या सत्ता का आतंक स्थापित करने के लिए हजार साल पुराने तौर-तरीके ही अपनाए जाएंगे तो फिर समाज को सोचना होगा कि विकसित भारत की बात करने वाले देश को आगे ले जा रहे हैं या पीछे धकेल रहे हैं। विकास का मतलब समय के चक्र का उल्टा घूमना तो कतई नहीं होता।

फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार-बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है (कब तक लेगा, कहा नहीं जा सकता), जिसे पूरब का ऑक्सफोर्ड माना जाता था। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी 23 सितंबर, 1887 को मात्र 5,240 रुपये के कर्ज से शुरू की गई थी। यह उत्तर प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी और भारत की चौथी सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी है। पश्चिमी जगत में जो सम्मान और रुतबा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का रहा है, कमोबेश वैसे ही इज्जत इलाहाबाद विवि को मिलती रही, क्योंकि यहां पठन-पाठन, शोध की गौरवशाली परंपरा कायम हुई।

कई बड़े राजनेता, लेखक, विद्वान, बुद्धिजीवियों का संबंध इस विवि से रहा। धर्मवीर भारती के कालजयी उपन्यास गुनाहों का देवता में इस विवि का कई तरह से जिक्र आया। 2003 में तत्कालीन वाजपेयी सरकार के मंत्रिमंडल ने इसे केंद्रीय सार्वभौमिकता का दर्जा बहाल किया था फिर मनमोहन सिंह सरकार के दौर में 2005 में भारत की संसद ने इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया था। ये बातें दो दशक पुरानी हो गई हैं, तब शैक्षणिक संस्थानों और पढ़े-लिखे लोगों, खासकर नेताओं की इज्जत हुआ करती थी। फिर देश ने पुराने भारत को न्यू इंडिया में तब्दील होते देखा, जिसमें खादी के कैलेंडर पर गांधीजी की जगह नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लगी, जिसमें गांधी को स्वच्छता अभियान के चश्मे तक कैद करने की कोशिश हुई और जिसमें हार्वर्ड विवि से पढ़े लोगों का मजाक बनाने का दुस्साहस दिखाया गया। कहा गया कि हम हार्ड वर्क वाले हैं, हार्वर्ड वाले नहीं। मानो हार्वर्ड विवि में दाखिला टहलते-फिरते मिल जाता है।

अब तक पूरब के आक्सफोर्ड का मखौल बैल बुद्धि बोल कर नहीं उड़ाया गया है, यही कमी रह गई है। लेकिन किताबों पर जिस तरह बुलडोजर चलाया गया है, वो सीधे-सीधे प्रगतिशील सोच रखने वाले लोगों को चुनौती है कि तुम्हारी किताबों को ही नहीं, तुम्हारी चेतना को भी कुचलने का दम सत्ता रखती है।

परसाई जी ने बाजारवाद के प्रसार पर तंज करते हुए लिखा था- बाजार बढ़ रहा है, इस सड़क पर किताबों की एक नयी दुकान खुली है और दवाओं की दो। ज्ञान और बीमारी का यही अनुपात है हमारे शहर में।

आज के हालात परसाई जी देखते तो शायद लिखते कि ज्ञान की बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए बुलडोजरी हिम्मत सरकार ने दिखाई है। एंटायर पॉलिटिकल साइंस और संन्यास वाले सत्ताधीशों का यह बेजोड़ संगम, संगमनगरी बरसों-बरस याद रखेगी। साधो, धर्म ध्वजा फहराए रखने के लिए कुंभ मेला ही काफी नहीं है, किताबों का अवरोध हटाना भी जरूरी था।

किसानी को महिलाएं ही बचा सकती हैं

- बाबा मायाराम

मिट्टी की बड़ी कोठियों में, लकड़ी के पटाव पर, मिट्टी की हंडी में व ढोलकी में बीज रखे जाते थे। इसके अलावा, तूमा (लौकी की एक प्रजाति) बांस के खोल में बीजों का भंडारण किया जाता था। इसी प्रकार, बीजों को धूप में सुखा कर, कोठी या भंडारण के स्थान पर धुआं किया जाता था, जिससे पतंगे या घुन नहीं लगता। कीड़ों से बचाव के लिए लकड़ी या गोबर से जली राख या रेत भी बीजों में मिलाते हैं।

परंपरागत खेती-किसानी का अधिकांश कार्य महिलाओं पर निर्भर रहा है। वे खेत में बीज बोने से लेकर उनके संरक्षण, संवर्धन और भंडारण तक का काम बड़े जतन से करती हैं। पशुपालन से लेकर विविध तरह की हरी सब्जियां व फलदार वृक्ष लगाना व उनके परवरिश का काम करती हैं। जंगलों से फल-फूल, पत्ती के गुणों की पहचान करना व संग्रह करने में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। वे जैव विविधता की संरक्षक रही हैं। आज इस कॉलम में खेती में उनके योगदान को याद करना चाहूंगा, जिससे अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही खेती को समझा जा सके, बचाया जा सके।

मैंने पिछले कुछ बरसों से देश भर में घूम-घूमकर खेती को नजदीक से देखा-समझा है। किसानों के खेतों में गया हूं और उनसे मिलकर खेती के बारे में जाना है। महिला किसानों से भी चर्चा की है। इस आधार पर खेती में उनके योगदान पर कुछ बातें कही जा सकती हैं।

कड़कड़ाती ठंड हो या मूसलाधार बारिश या फिर चिलचिलाती तेज धूप महिलाएं सभी परिस्थितियों में खेती का काम करती रही हैं। खेती के विकास में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भोजन के लिए ईंधन जुटाना, खाना बनाना, मवेशियों को खेतों से घास लाना, खेतों में काम करने जाना और फिर खेत से आकर घर का काम करना आदि उनकी जिम्मेदारियों में शामिल है।

निंदाई-गुड़ाई के दौरान विजातीय पौधे और खरपतवार को फसल से अलग करना भी उनके काम का हिस्सा हुआ करता था। जब पौधों में फूल आ जाते हैं तब वे ऐसे विजातीय पौधों को आसानी से पहचान कर अलग कर देती थीं।

कुछ फसलों में निंदाई-गुड़ाई तीन-चार बार करनी पड़ती थी। यह काम भी वे करती थीं। लेकिन अब नींदानाशक आने से उनकी भूमिका कम हो गई है।

इसके अलावा, बीजों के चयन में उनकी खास भूमिका होती थी। पहले खेतों में ही बीजों का चयन हो जाता था, इसमें देखा जाता था कि सबसे अच्छे स्वस्थ पौधे कि खेत में हैं। किस खेत के हिस्से में अच्छी बालियां हैं। वहां किसी तरह के कमजोर और रोगी पौधे नहीं होने चाहिए। अगर ऐसे पौधे फसलों के बीच होते थे तो उन्हें हटा दिया जाता था। फिर अच्छी बालियों को छांटकर उन्हें साफ कर और सुखा लिया जाता था। इसके बाद बीजों का भंडारण किया जाता था। इन सब कामों में महिलाओं की प्रमुख भूमिका होती थी।

बीज भंडारण, पारंपरिक खेती का एक अभिन्न हिस्सा है। अलग-अलग परिस्थिति और संस्कृति के अनुरूप किसानों ने बीजों की सुरक्षा के कई तरीके और विधियां विकसित की हैं। मक्का के बीज को घुन और खराब होने से बचाने के लिए चूल्हे के ऊपर छींके पर रखते हैं और सतपुड़ा अंचल में खुले में मक्के के भुट्टे को खंबे को छिलका समेत उल्टे लटका कर रखते हैं। छिलका बरसाती या छाते का काम करता है और बारिश का पानी भी उन्हें खराब नहीं कर पाता।

मिट्टी की बड़ी कोठियों में, लकड़ी के पटाव पर, मिट्टी की हंडी में व ढोलकी में बीज रखे जाते थे। इसके अलावा, तूमा (लौकी की एक प्रजाति) बांस के खोल में बीजों का भंडारण किया जाता था। इसी प्रकार, बीजों को धूप में सुखा कर, कोठी या भंडारण के स्थान पर धुआं किया जाता था, जिससे पतंगे या घुन नहीं लगता। कीड़ों से बचाव के लिए लकड़ी या गोबर से जली राख या रेत भी बीजों में मिलाते हैं।

बीज के अभाव में बीजों का आदान-प्रदान हुआ करता था। कई बार महिलाएं उनके मायके से ससुराल बीज ले आती थीं। और कुछ हद तक यह सिलसिला अब भी जारी है। खासतौर से सब्जियों के बीज की अदला-बदली रिश्तेदार और परिवारजनों में होना आम बात थी।

हाल ही में छत्तीसगढ़ में कुनकुरी के पास एक गांव में एक किसान से मिला था। उन्होंने बताया कि उनके पास मक्का व बरबटी का बीज उनके पुरखों के जमाने का है। यह देसी बीज वे पीढ़ियों से इस्तेमाल करते हैं। हर साल बोते हैं और बीज के लिए बचाकर रखते हैं। यानी बीज उनके पुरखों की विरासत भी है, और उसके साथ उसे बोने से लेकर भंडारण तक का परंपरागत ज्ञान भी उनके पास है।

धान रोपाई का काम तो महिलाएं करती हैं। जब वे रंग-बिरंगे कपड़ों में गीत गाते हुए धान रोपाई करती हैं तो देखते ही बनता है। इनमें कई स्कूली लड़कियां भी होती हैं। वे स्कूल में भी पढ़ती हैं और खेतों में भी काम करती हैं। लड़कियां कृषि में ज्ञान और कौशल सीखती हैं। सतपुड़ा अंचल में धान रोपाई को स्थानीय भाषा में लबोदा कहा जाता है।

पहले हर घर में सब्जी बाड़ी (किचन गार्डन) हुआ करती थी, जिसे जैव विविधता का केन्द्र भी कहा जा सकता है। इसमें कई तरह की हरी सब्जियां, मौसमी फल और मोटे अनाज लगाए जाते थे। जैसे भटा, टमाटर, हरी मिर्च, अदरक, भिंडी, सेमी (बल्लर), मक्का, ज्वार आदि होते थे। मुनगा, नींबू, बेर, अमरूद आदि बच्चों के पोषण के स्रोत होते थे। इसमें न अलग से पानी देने की जरूरत थी और न खाद की। जो पानी रोजाना इस्तेमाल होता था उससे ही बाड़ी की सब्जियों की सिंचाई हो जाती थी। लेकिन इनमें कई कारणों से कमी आ रही है।

शान्तिपूर्ण ढंग से हुआ देवी विसर्जनः प्रमोद कुमार झा

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। शारदीय नवरात्रि के ग्यारहवें दिन कस्बा समेत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन ने चिन्हित तालाबों में भक्ति भावना के साथ मां जगदम्बा के नौ स्वरूपों का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ किया। पुलिस-प्रशासन ने चार मोबाइल टीमें तथा तहसील प्रशासन की ओर से चार भ्रमणशील टीमें बनाई।

रविवार को शारदीय नवरात्रि में कस्बा समेत ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 150 मूर्तियों की स्थापना की गई थी। जिसमें भक्ति भावना के साथ नौ दिनो तक कस्बा समेत ग्रामीण क्षेत्र दुर्गा मय दिखाई पड़ रहा था। 11वें दिन देवी भक्तों ने नम आंखों से रोते बिलखते मां की विदाई चिन्हित तालाबों में किया। उपजिलाधिकारी प्रमोद झां ने बताया कि विसर्जन स्थल गंगी तालाब दो-दो बोटो की व्यवस्था हुई। चार गोताखोर लगाये गये। ग्रामीण क्षेत्रों में तहसीलदार विजय यादव, नायब तहसीलदार सरधुवा तथा टीम में राजस्व निरीक्षक व क्षेत्रीय लेखपालों को विसर्जन के लिए चिन्हित तालाबों में विसर्जन कराने के लिए टीमें बनाई गई हैं। देवी भक्तों के प्रशासनिक गाइडलाइन के अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से विसर्जन किया गया। बताया कि कस्बा में स्थापित लगभग आधा सैकड़ा दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए विस्तारित क्षेत्र नगर पंचायत राजापुर के चिल्लीराकस में स्थापित गंगी तालाब में ऐतिहासिक विसर्जन के लिए व्यवस्था की गई। नायब तहसीलदार मनोज कुमार सिंह व नगर पंचायत के कर्मचारियो को तैनात किया गया। थाना क्षेत्र सरधुआ में प्रभारी निरीक्षक आशुतोष तिवारी व अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा।

सीओ राजापुर निष्ठा उपाध्याय ने बताया कि देवी विसर्जन को पुलिस के चार जोन बनाये गये। जिसमें हल्का इंचार्जों तथा बीट सिपाहियों को अपने-अपने क्षेत्र के तालाबों में शान्तिपूर्ण ढंग से विसर्जन कराने को तैनात किया गया। प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह थाना क्षेत्र के गांवों में भ्रमण किया। कस्बे में झांकियां ढोल-नंगाड़ों व डीजे में देवी गीतों की धुन के साथ श्रद्धालु थिरकते रहे। रंग, अबीर, गुलाल के साथ कस्बे के व्यापारियों ने जगह-जगह जलपान व समाजसेवी समीर विश्वकर्मा ने शरबत पेयजल की व्यवस्था कराई। देवी विसर्जन शोभा यात्रा में महिलाओं ने मां को अंतिम विदाई देते हुए नम आंखों से विदाई दी। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक थाना राजापुर मनोज सिंह, उपनिरीक्षक कन्हैयालाल बक्स, केडी मिश्रा, अनिल सिंह, इमरान खान, सुरेंद्र सिंह, शैलेंद्र सिंह समेत आदि पूरे क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा। राजस्व टीम में राजस्व निरीक्षक सदर लेखपाल प्रदीप तिवारी, शशांक मिश्रा, सुधीर सिंह आदि मौजूद रहे।

देवी प्रतिमा विसर्जित करते श्रद्धालु।

मऊ में श्रद्धा के साथ हुआ देवी प्रतिमाओं का विसर्जन

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। अगले बरस मैया जल्दी आना की भावांजलि देकर भक्तों ने मां दुर्गा विसर्जन कर आस्था व विश्वास की श्रद्धांजलि दी। नगर पंचायत मऊ एवं आस पास क्षेत्रों में नौ दिनों तक पंडाल में बैठी मां दुर्गा की विधिविधान से भक्तों ने पूजा-अर्चना की। नौ दिनों की पूजा के बाद रविवार को प्रशासन की देखरेख में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा का विसर्जन किया।

रविवार को प्रशासन के चिन्हित स्थानों पर श्रद्धालुओं ने नगर पंचायत मऊ पंडालों में विराजमान मां दुर्गा की प्रतिमाओं का कटिया स्थित तालाब में विसर्जन किया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं के पीने को पानी समेत जरूरी इंतजाम किए थे। मऊ एसडीएम सौरभ यादव ने बताया कि मऊ क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर पंडालों में मूर्तियों के विसर्जन को मऊ स्थित कटिया तालाब, नींबी तालाब, खंडेहा तालाब चिन्हित किये है। मूर्ति विसर्जन स्थलों पर श्रद्धालुओं की आकस्मिक चिकित्सा को डॉक्टरों की टीम समेत जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। मूर्ति विसर्जन चिन्हित तालाबों समेत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मऊ पुलिस समेत गोताखोर मौजूद हैं। क्षेत्र में सुरक्षा के मद्देनजर, थाना प्रभारी विनोद कुमार राय, सीओ जयकरण सिंह, क्राइम इंस्पेक्टर अभयराज सिंह, एसआई शिवपूजन, एसआई अभिनव सिंह, एसआई अनिल शुक्ला, राहुल पांडेय, प्रवीण पाण्डेय समेत मौजूद रहे।

विसर्जन को जाते श्रद्धालु।

शिविर में चश्मा बांटते नेत्र विशेषज्ञ।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में बांटे चश्मा, चित्रवार-खंडेहा में हुआ शिविर

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। चित्रवार व खंडेहा गांव में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण व चश्मा वितरण शिविर का आयोजन हुआ।

रविवार को इरकान इंटर नेशनल लिमिटेड भारत सरकार के तत्वावधान में भारतीय नव निर्माण संस्थान मऊ ने कमजोर नेत्र ज्योति, आंखों में पानी आना, एलर्जी, मोतियाबिंद, समस्त नेत्र विकारों की जांच नेत्र विशेषज्ञों द्वारा चश्मा व दवाओं का वितरण किया गया। दोनों गांवों में नेत्र रोगों से पीड़ित दो-दो सौ ग्रामीणों की जांच की गई। इस मौके पर नेत्र विशेषज्ञ डॉ आर के श्रीवास्तव, डॉ जूली सिंह, डॉ कौशिकी, टीम में बीरेंद्र बाजपेई, प्रलय त्रिपाठी, दिलीप तिवारी, शिवम, धर्मराज सिंह, क्रांति कुमार, आकाश त्रिपाठी, अजीत सिंह, अनूप कुमार पाठक, नितीश कुमार, आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मना दशहरा पर्वः रावण दहन बाद गूंजे जय श्रीराम के नारे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। धुस मैदान में आयोजित दशहरे के पर्व में हजारों की भीड़ ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन पंकज अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख सुशील द्विवेदी ने हिस्सा लिया। नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता व अधिशासी अधिकारी लालजी यादव ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

शनिवार को अतिथियों ने प्रभु श्रीराम की झांकी की आरती उतारी। जिससे कार्यक्रम की आध्यात्मिकता बढ़ गई। इसके बाद रावण वध की लीला का भव्य मंचन हुआ। कलाकारों ने जीवंत अभिनय किया। दशहरे के मुख्य आकर्षण के रूप में 25 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। जैसे ही पुतला जलकर राख हुआ, पूरे मैदान में जय श्रीराम के नारे गूंजने लगे। इस मौके पर मौजूद लोगों ने एक-दूसरे को दशहरे की शुभकामनायें दी।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि ये पर्व असत्य पर सत्य की और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। उन्होंने जिले में शांति-सौहार्द के साथ त्योहार मनाने को सभी का आभार जताया। पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि रावण का पुतला दहन अच्छाई पर बुराई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने जिलेवासियों को विजयदशमी की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम दौरान रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों को विशेष सम्मान दिया गया।

आरती बाद मौजूद अधिकारीगण।

अधर्म के प्रतीक रावण का हुआ वध

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर में चल रही अठारह दिवसीय रामलीला में विजयदशमी के दिन राम-रावण युद्ध में तुलसी स्मारक के प्रांगण मे हजारों दर्शकों की भीड़ मौजूद रही। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने रावण का वध करते ही पूरा प्रांगण मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जयकारों से गूंज उठा।

शनिवार को तुलसीकृत प्राचीन रजिस्ट रामलीला कमेटी के प्रबन्धक राजकुमार उपाध्याय व कार्यवाहक अध्यक्ष सोमनाथ अग्रवाल ने बताया कि अठारह दिवसीय रामलीला का मंचन प्रदेश के कलाकारों ने किया। विजयदशमी के दिन पात्रों ने राम रावण युद्ध का अभिनव किया। अधर्म-धर्म की लडाई में अधर्म के प्रतीक रावण का वध श्रीराम ने किया। असत्य पर सत्य की जीत हुई मंचन के उपरान्त लोगों ने जय श्रीराम का जयघोष करते हुए लोगों ने रावण के पुतले को जलाकर खुशियां मनाई।

इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह, क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर अजीत पांडेय, उप निरीक्षक कृष्णदेव मिश्रा, सिद्धनाथ राय, सुरेंद्र कुमार, अंकित सिंह, अनिल सिंह व शांति-सुरक्षा के मद्देनजर स्थानीय पुलिस बल समेत रिजर्व पुलिस बल तैनात रहा। कस्बा समेत क्षेत्र के सम्मानित व्यक्ति व हजारों की भीड़ मौजूद रही।

मंचन करते कलाकार।

रामघाट में नहाते समय युवक की डूबने से मौत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। रामघाट में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। 22 साल का अंकित शर्मा, जो कानपुर का रहने वाला था, पिछले 15 दिनों से चित्रकूट के एक होटल में ठहरा हुआ था। रामघाट में नहाते समय नदी में डूब गया। वहां मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा। अंकित किसी काम से चित्रकूट आया था। इस हादसे में उसकी जान चली गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राम-लक्ष्मण की पूजा बाद हुआ रावण दहन

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। कस्बे में विजयदशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। रामलीला मैदान से राम रथ यात्रा निकाल कर राम चबूतरे में विधि विधान से राम-लक्ष्मण की पूजा की गई। इस मौके पर पुलिस बल मौजूद रहा। हर साल की तरह इस साल भी नहर में विजयदशमी के त्यौहार में दूर-दराज से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने दशहरा मनाया। कस्बे में विजयरथ यात्रा निकाल कर बाजार रोड नेशनल हाईवे में पावर हाउस शिवपुरी तिराहा हर्जन बस्ती होते हुए रामलीला मैदान में समापन हुआ। राम लक्ष्मण की पूजा पूरे कस्बे में हुई। वहीं रैपुरा में भी जुलूस निकाला कर विजयदशमी का पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था में मऊ के उप जिलाधिकारी सौरभ यादव, सीओ मऊ जयकरण सिंह, रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश शुक्ला पुलिस बल के साथ मौजूद रहें।

रथयात्रा निकालते श्रद्धालु।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। थाना क्षेत्र के रगौली गांव में एक युवक ने बंद कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह, उप निरीक्षक कन्हैया बक्श सिंह मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे मे लेकर शव का पंचनामा कर मर्चरी भेजा है।

शनिवार को रगौली प्रधान विजय निषाद का मझला पुत्र बालकेश (28) पक्के मकान के दूसरे मंजिल पर सो रहा था। जब दरवाजा नहीं खुला तो मृतक की भाभी ने देखा कि उसका देवर छत में लगे हुक मे मफलर से फांसी लगाकर झूल रहा था। परिजन आनन-फानन में कमरे से बाहर निकाले, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना राजापुर पुलिस को दी गई। पुलिस मौके में पहुंचकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा। मृतक बालकेश चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। मृतक के दो पुत्र कृष्णा व सर्वेश है। मां शिव कालिया पत्नी रामरति व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक की फाइल फोटो।

करंट लगने से युवक की मौत

मऊ/चित्रकूट। दशहरा के दिन करंट लगने से एक युवक की मृत्यु हो गई। इससे पूरे गांव में कोहराम मच गया। बताया गया कि मऊ थाना के बरवार गांव में शिवचरण (19) पुत्र छैला अपने नवनिर्मित घर की छत पर चढ़कर तराई कर रहा था। वह अचानक छत से नीचे गिरा गया। जिसे देखकर लोग आनन-फानन में दौड़कर प्राइवेट वाहन से मऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये। डॉक्टरों में युवक को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि उनका पुत्र विद्युत विभाग की लापरवाही का शिकार हुआ है। जिस कारण उसकी मौत हो गई है। परिजनों के अनुसार छत के ऊपर से गई ग्यारह हजार की विद्युत लाइन के करंट की चपेट में आ जाने से उनके लड़के की मौत हो गई है। घटना की सूचना पर नायब तहसीलदार मऊ जितेंद्र कुमार व लेखपाल संगमलाल ने पहुंचकर मृतक का विवरण दर्ज कर परिजनों को ढांढस बंधाया। मऊ थाना पुलिस ने पंचनामा भरकर मृतक के पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा। मऊ एसडीओ शिवम गुप्ता ने बताया कि मृतक के छत से ग्यारह हजार की विद्युत लाइन चार-पांच फीट की दूरी पर है। मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद विभागीय मुआवजे को कार्रवाई की जाएगी। मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था। माता बुधनी का रो-रोकर बुरा हाल है।

विसर्जन के लिये देवी प्रतिमाक को लेकर जाते लोग।

गाजा पट्टी में इजरायल का भीषण हमला, एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत

दीर अल-बला: मध्य गाजा पट्टी में इजराइल के हमले में एक ही परिवार के आठ सदस्यों की मौत हो गयी है। फलस्तीन के चिकित्सा अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। दीर अल-बला स्थित अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अनुसार, गाजा में शनिवार देर रात को नुसरत शरणार्थी शिविर में एक मकान पर हमला किया गया है, जिसमें माता-पिता और आठ से 23 साल की उम्र के उनके छह बच्चों की मौत हो गयी। शवों को इसी अस्पताल में लाया गया था।

उसने बताया कि हमले में सात लोग घायल भी हुए हैं जिनमें दो महिलाओं और एक बच्चे की हालत गंभीर है। ह्यएसोसिएटेड प्रेसह्व के एक संवाददाता ने शवों की गिनती की है। हमास के साथ युद्ध को एक साल से अधिक समय होने पर भी इजराइल के हमले जारी है और वह गाजा में लगभग हर दिन आतंकवादी ठिकानों को निशाना बना रहा है। हाल के महीनों में उसने विस्थापित लोगों द्वारा

पनाह के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे स्कूलों को भी निशाना बनाया है। वह आतंकवादियों पर इन विस्थापित लोगों के बीच छिपने का आरोप लगाता है।

उत्तरी गाजा को खाली करने का आदेश

इजराइल ने उत्तरी गाजा को पूरी तरह से खाली करने का दबाव बनाया है। उत्तरी गाजा में इजराइल के हवाई और जमीनी बल जबालिया पर हमले कर रहे हैं, जहां उसके अनुसार आतंकवादी पुनः संगठित हो गए हैं। इजराइल ने गाजा सिटी समेत उत्तरी गाजा को पूरी तरह खाली करने का आदेश दिया है। सेना ने शनिवार को पुष्टि की कि अस्पतालों को भी खाली करने का आदेश दिया गया है, लेकिन उसने इसके लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है।

शांति सैनिक पर चली गोली

इजराइल ने हवाई हमलों में कम से कम 22 लोगों के मारे जाने के कुछ घंटे बाद शनिवार को उत्तरी गाजा में भारी बमबारी कर रहा है। इजराइल लगातार गाजा और दक्षिणी लेबनान में लोगों से कह रहा है कि वे उन इलाकों को खाली कर दें, जहां आतंकवादी समूहों हमास और हिजबुल्ला के खिलाफ उसके हमले हो रहे हैं।

लेबनान में, संयुक्त राष्ट्र शांति सेना ने कहा कि शुक्रवार देर रात नकौरा स्थित उसके मुख्यालय पर फिर से हमला किया गया, जिसमें एक शांति सैनिक पर गोलीबारी की गई। उसने कहा कि सैनिक की हालत स्थिर है। हालांकि, गोली किसने चलाई इसके बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

भारत का गौरवशाली बेटा... नेतन्याहू ने रतन टाटा को किया याद, हिंदुस्तान और इजरायल की दोस्ती का बताया चैंपियन

तेल अवीवः इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने टाटा समूह को पूर्व चेयरमैन रतन टाटा के निधन पर शोक जताया है। शनिवार को एक्स पर पीएम मोदी को संबोधित करके लिखे गए संदेश में नेतन्याहू ने रतन टाटा को याद करते हुए उन्हें 'भारत का गौरवशाली बेटा' और इजरायल व भारत के बीच दोस्ती का चैंपियन बताया। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि वह और उनके देश में कई लोग टाटा के निधन पर शोक मना रहे हैं।

नेतन्याहू ने एक्स पर लिखा, 'मेरे दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मैं और इजरायल में कई लोग भारत के गौरवशाली बेटे और हमारे दो देशों के बीच दोस्ती के चैंपियन रतन नवल टाटा के निधन पर दुखी हैं। कृपया रतन (टाटा) के परिवार को मेरी संवेदनाएं पहुंचाएं। सहानुभूति

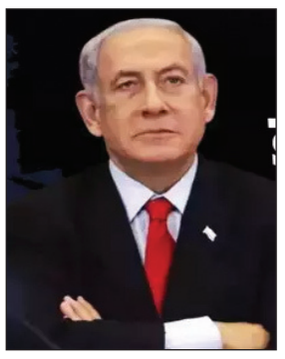

के साथ बेंजामिन नेतन्याहू।'

86 साल की उम्र में टाटा का निधन

रतन टाटा का 9 अक्टूबर को 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। उम्र से जुड़ी दिक्कतों के चलते उनका मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज चल रहा था। रतन टाटा के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें दूरदर्शी कारोबारी नेता और असाधारण इंसान बताया। पीएम मोदी ने रतन टाटा की विनम्रता और बोर्डरूम के अंदर और बाहर समाज के प्रति उनक योगदान की तारीफ की थी।

दुनिया के नेताओं ने जताया दुख

टाटा समूह के मानद चेयरमैन के निधन पर दुनिया भर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने रतन टाटा को अद्भुत व्यक्ति और शानदार उद्यमी बताया, जबकि अमेरिकी राजदूत एरिक गासेटी ने टाटा की व्यापक दृष्टि और भारत व दुनिया के लिए उनके योगदान का उल्लेख किया।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी टाटा के निधन पर शोक व्यक्ति किया और उनकी मानवतावादी दृष्टि और समाज को बेहतर बनाने के लिए उनकी आजीवन प्रतिबद्धता की तारीफ की।

लेबनान से इजरायल पर दागे गए ड्रोन, आवासीय इमारत को बनाया निशाना

यरूशलेम। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि लेबनान से मध्य इजरायल में दागे गए दो ड्रोनों में से एक ने इजरायल के शहर हर्जलिया में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया। इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने शुक्रवार को बताया कि दूसरे ड्रोन को इजरायली वायु सेना ने रोक दिया था। दोनों ड्रोनों पर उसी समय से नजर रखी जा रही थी, जब वे इजरायली क्षेत्र में प्रवेश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हमले के समय इमारत के निवासी संरक्षित क्षेत्र में थे क्योंकि हर्जलिया और पास के शहरों रमत हशारोन और होद हशारोन में चेतावनी सायरन सक्रिय कर दिए गए थे।

हर्जलिया नगरपालिका के अनुसार, हमले के कारण बिजली की लाइनें गिर गईं, जिससे शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इससे पहले आईडीएफ ने कहा था कि लेबनान से उत्तरी इजरायल में 100 से अधिक रॉकेट और मिसाइलें दागी गई थीं। ये हमले ऐसे समय में हुए जब इजरायल यहूदी कैलेंडर के सबसे पवित्र दिन योम किप्पुर को मनाने की तैयारी कर रहा था।

स्पेन में 500 साल पुरानी हड्डियां किसकी? अमेरिका की खोज करने वाले की असली कब्र मिली, DNA टेस्टिंग में रहस्य से उठा पर्दा

मैड्रिडः स्पेन के सेविले कैथेड्रल में मिली मानव हड्डियों से जुड़े 500 साल पुराने रहस्य का खुलासा हो गया है। हड्डियों पर डीएनए विश्लेषण करने से वैज्ञानिकों ने पाया कि यह क्रिस्टोफर कोलंबस की हैं। इसके साथ ही आखिरकार क्रिस्टोफर कोलंबस के दफन होने वाली जगह का खुलासा हो गया है। पिछले दो दशकों से एक्सपर्ट्स नमूनों से लिए गए डीएनए की तुलना रिश्तेदारों और वंशजों से कर रहे हैं, जिससे यह अभूतपूर्व खोज हुई है। 1506 में क्रिस्टोफर कोलंबस की मौत हुई थी। उनकी मौत के बाद भी शरीर को कई बार इधर-उधर किया गया था।

कुछ लोगों का मानना था कि उन्हें डोमिनिकन रिपब्लिक में दफन किया गया था। इन दावों ने उनके वास्तविक अवशेषों का पता लगाने से जुड़ी खोज शुरू कर दी। इस शोध का नेतृत्व करने वाले फॉरेंसिक वैज्ञानिक मिगुएल लोरेंट ने कहा, 'आज नई टेक्नोलॉजी के जरिए इस बात को वेरीफाई करना संभव हो गया है कि अवशेष क्रिस्टोफर कोलंबस के हैं।' वैज्ञानिकों ने पहले माना था कि कैथेड्रल के अंदर के मकबरे में कोलंबस का शव था, लेकिन यह सही नहीं था।

ऐसे की गई खोज

2003 में लोरेंटे और इतिहासकार मार्शियल

कास्त्रो ने मकबरे को खोला, जहां उन्हें पहले से अज्ञात हड्डियां मिलीं। इसके बाद से दो दशकों तक शोध जारी रहा। उस समय डीएनए टेक्नोलॉजी इतनी सक्षम नहीं थी कि वह छोटी मात्रा में मिले आनुवंशिक पदार्थ की जांच कर सके और सटीक रिजल्ट दे सके। इस कारण खोजकर्ताओं ने कोलंबस के बेटे हर्नांडो और भाई डिएगो की हड्डियों का अध्ययन किया, जिन्हें सेविले कैथेड्रल में ही दफन किया गया था।

टढ ठी६२: वास्कोडिगामा ने भारत और कोलंबस ने अमेरिका की खोज नहीं की... एमपी के शिक्षा मंत्री बोले

कौन थे कोलंबस?

रिश्तेदारों के अवशेषों के अध्ययन से कोलंबस की पहचान करना आसान हो गया। इसका एक कारण यह था कि उनकी हड्डियां कोलंबस के कब्र से पाई गई हड्डियों की तुलना में बहुत बड़ी थीं। कोलंबस इटली के एक खोजकर्ता थे जो यूरोप से एशिया का सीधा समुद्री मार्ग खोजने के लिए निकले थे।

आरागॉन के स्पेनिश सम्राट फर्डिनेंड और कैस्टिले के इसाबेला ने उनकी यात्रा की फंडिंग की। 1492 में उनका दल तीन जहाजों के साथ रवाना हुआ। एशिया जाने की जगह उन्होंने उत्तरी अमेरिका को खोज निकाला, जिसके बारे में तब तक शायद ही किसी को पता रहा हो।

यूक्रेन में सैनिकों की कमी, अनिवार्य सैन्य भर्ती के लिए रजिस्ट्रेशन न करने वालों को पकड़ रही सरकार

कीवः यूक्रेन के सैन्य भर्ती अधिकारियों ने राजधानी कीव में सैन्य पंजीकरण दस्तावेजों की जांच के सिलसिले में रेस्तरां, बार और एक ह्यकंसर्ट हॉलह्व पर छापा मारा और उन पुरुषों को हिरासत में लिया, जो नियम का पालन नहीं कर रहे थे। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को यह खबर दी। यूक्रेन के रॉक बैंड ह्यओकियन एल्जीह्व के संगीत कार्यक्रम के बाद अधिकारी कथित तौर पर कीव के ह्यपैलेस ऑफ स्पोर्ट्सह्व स्थल पर पहुंचे।

स्थानीय मीडिया संगठनों की ओर से प्रसारित वीडियो में कंसर्ट हॉल के दरवाजे के बाहर कुछ अधिकारी खड़े नजर आ रहे हैं, जो अंदर से बाहर आ रहे लोगों को पकड़ रहे हैं। इस फुटेज में अधिकारी कुछ पुरुषों को जबरन हिरासत में लेते हुए जान पड़ते हैं। ह्यशॉपिंगह्व केंद्र गुडवाइन और लोकप्रिय रेस्तरां एवलॉन में भी ऐसी जांच की गई। देश की राजधानी कीव में इस तरह की छापेमारी असामान्य है।

क्या हैं नए नियम

यह छापेमारी यूक्रेन में नई सैन्य भर्तियों की सख्त जरूरत को दशार्ता है। यूक्रेन में 25-60 वर्ष की आयु के सभी यूक्रेनी पुरुष अनिवार्य सैन्य भर्ती के पात्र हैं और 18-60 वर्ष

की आयु के पुरुषों को देश छोड़ने की अनुमति नहीं है। खबरों में यह भी कहा गया है कि खारकीव और निप्रो समेत यूक्रेन के अन्य शहरों में क्लब और रेस्तरां में भी छापेमारी की गई।

यूक्रेन ने इस साल (सैन्य भर्ती की) मुहिम तेज कर दी है। इस साल एक नया कानून लागू हुआ है, जिसके अनुसार सैन्य सेवा के लिए योग्य लोगों को अपनी जानकारी ऑनलाइन प्रणाली में दर्ज करनी होगी, अन्यथा दंड का सामना करना पड़ेगा।

रूस के हथियार डिपो पर हमला

यूक्रेन की सेना ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन के एक ड्रोन ने रूस में एक महत्वपूर्ण हथियार डिपो को निशाना बनाया।

यह हमला एक अन्य ड्रोन की ओर से एक प्रमुख रूसी शस्त्रागार को उड़ाने के तीन सप्ताह बाद हुआ है। तीन दिन पहले ही एक ड्रोन ने रूस के कब्जे वाले क्रीमिया में एक प्रमुख तेल टर्मिनल को निशाना बनाया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव: क्या सच में अवैध अप्रवासी डाल सकते हैं वोट

वॉशिंगटनः अमेरिका में 5 नवम्बर को होने जा रहे राष्ट्रपति चुनाव से पहले अवैध अप्रवासियों का मुद्दा तूल पकड़ता जा रहा है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगी लगातार दावा कर रहे हैं कि डेमोक्रेट्स अमेरिकी चुनाव में अवैध प्रवासियों का वोट हासिल करने की योजना बना रहे हैं। ट्रंप ने कमला हैरिस के साथ प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान कहा था, हमारे चुनाव खराब हैं। बहुत से अप्रवासी आ रहे हैं और वे उन्हें वोट देने के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि क्या अवैध अप्रवासी वास्तव में अमेरिकी चुनाव में वोट डाल सकते हैं और इसका खतरा कितना है?

किसी ऐसे शख्स के लिए जो अमेरिका का नागरिक नहीं है, राष्ट्रीय चुनाव में मतदान करना अवैध है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 1996 का अवैध आव्रजन सुधार और अप्रवासी उत्तरदायित्व अधिनियम गैर नागरिकों को संघीय चुनावों में वोट डालने से रोकता है। इमें अवैध अप्रवासी भी शामिल हैं। ऐसा करने पर एक साल की जेल, जुमार्ना और संभवतः निर्वासन शामिल है।

कैसे होता है वोटर का रजिस्ट्रेशन? हर राज्य को एक

सामान्य पंजीकरण फॉर्म भरना होता है, जिसमें यह पुष्टि करने की आवश्यकता होती है कि वे अमेरिकी नागरिक हैं। झूठे दावों और झूठी गवाही के लिए सजा का प्रावधान है, लेकिन इसके लिए दस्तावेजी प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती है। कई राज्य मतदाता सूचियों का नागरिकता और आव्रजन सेवाओं, मृत्यु प्रमाण पत्र और डाक रिकॉर्क के साथ क्रॉस चेक करते हैं, ताकि गैर नागरिक, मर चुके या राज्य से बाहर रहने वालों को लिस्ट से बाहर किया जा सके। गैर नागरिकों को राज्यों के चुनाव में भी वोटिंग की अनुमति नहीं है। क्या अवैध अप्रवासी देते हैं वोट?

अध्ययनों से पता चलता है कि संघीय चुनावों में अवैध अप्रवासियों के मतदान करने के मामले बहुत कम हैं। ब्रेनन सेंटर फॉर जस्टिस के एक अध्ययन में 2016 के चुनाव के दौरान 12 राज्यों में काम करने वाले 44 चुनाव अधिकारियों का इंटरव्यू किया गया था। इसमें पाया गया कि इन राज्यों में गिने गए 2.35 करोड़ वोटों में गैर नागरिकों के वोट की 30 संदिग्ध घटनाओं को जांच के लिए आगे भेजा गया था।

हेरिटेज फाउंडेशन ने 1999 से 2023 के बीच चुनाव धोखाधड़ी के मामलों की पड़ताल की थी। इस दौरान गैर नागरिकों के मतदान के 77 मामले पाए गए। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि चुनाव में मतदान करने वाले गैर नागरिकों की संख्या बहुत कम है, लेकिन यह शून्य नहीं है। यह चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के स्तर से बहुत दूर है।

इजरायल पर 9/11 जैसा हमला करना चाहता था हमास

तेल अवीवः इजरायल और हमास के युद्ध को एक साल से ज्यादा हो चुके हैं। दोनों के बीच का संघर्ष 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास के हमले के बाद शुरू हुआ। लेकिन इस हमले को लेकर एक बड़ा दावा सामने आया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स (ठळ) की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 7 अक्टूबर 2023 के हमले की साजिश दो साल तक रची गई। इसे 2022 में ही अंजाम देना था। लेकिन इस हमले में साथ देने के लिए हमास ईरान और हिजबुल्लाह को मनाने में लगा रहा, जिस कारण देरी हुई है। इजरायली मिलिट्री की ओर से जनवरी में गाजा से जब्त किए गए एक कंप्यूटर में इसकी डिटेल आई है। रिपोर्ट में हमास के चीफ याह्या सिनवार समेत हमास नेताओं और टॉप ईरानी अधिकारियों के बीच हुई 10 मीटिंग के मिनट्स का हवाला दिया गया। कथित तौर पर यह मीटिंग जनवरी 2022 से अगस्त 2023 तक हुईं। इसमें इजरायली सैन्य और नागरिक ठिकानों को टार्गेट करने के लिए बड़े पैमाने पर हमले को अंजाम देने के लिए रसद और रणनीतियों पर चर्चा हुई। उठठ की रिपोर्ट के मुताबिक टाइम्स के दावों से ईरान और हिजबुल्लाह ने इनकार किया है। यूएन में ईरान के मिशन ने दावों का खंडन किया है और सुझाव दिया कि टाइम्स की ओर से दिए गए मिनट्स मनगढ़ंत हैं।

NYT की रिपोर्ट में कहा गया है कि खान यूनिस में हमास कंट्रोल सेंटर में एक कंप्यूटर खोजा गया था। टाइम्स ने दावा किया कि वह डॉक्यूमेंट के सच होने की पुष्टि करता है।

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमले का विरोध

बेरूतः लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल में अपने सैनिक भेजने वाले 34 देशों ने शांति सैनिकों पर इजरायली हमलों की निंदा की है। एक संयुक्त बयान में 34 देशों ने सभी पक्षों से यूएनआईएफआईएल के मिशन का सम्मान करने और अपने कर्मियों की सुरक्षा सुनश्चित करने का आह्वान किया। हालांकि, संयुक्त बयान में सूचीबद्ध 34 देशों में भारत का शामिल नहीं है, लेकिन बयान जारी होने के तुरंत बाद उसने कहा कि वह 'पूरी तरह इसके साथ है।' भारत के 903 सैनिक यूएनआईएफआईएल के तहत लेबनान में तैनात हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के मिशन ने एक्स पर लिखा, 'एक प्रमुख सैन्य योगदानकर्ता देश के रूप में भारत 34 वठक्कछ सैन्य योगदानकर्ता देशों की तरफ से जारी संयुक्त बयान के साथ पूरी तरह से जुड़ता है। शांति सैनिकों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मौजूदा प्रस्तावों के अनुसार सुनिश्चित किया जाना चाहिए।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब दक्षिणी लेबनान में इजरायल और हिजबुल्लाह बीच चल रही जमीनी जंग में नकौरा स्थित UNIFIL के मुख्यालय पर हमले हुए हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

भारत से बातचीत के लिए बेकरार कंगाल पाकिस्तान, शहबाज शरीफ सरकार ने फिर किया इशारा, क्या पिघलेंगे जयशंकर?

इस्लामाबादः पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार भारत से रिश्ते शुरू करने के लिए बेकरार है। हालांकि, उसे भारत से कोई भाव नहीं मिल रहा। पाकिस्तान ने साफ संकेत दिया है कि एससीओ सम्मेलन के दौरान वह भारत के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए तैयार है। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के हालिया बयान से पता चलता है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मिल सकते हैं। जयशंकर भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सम्मेलन में शामिल होंगे। हालांकि, उन्होंने साफ कहा है कि वह पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय बैठक करने नहीं जा रहे।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एससीओ के बैठक के बारे में बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री (शहबाज शरीफ) बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। विदेश कार्यालय ने शंघाई सहयोग संगठन (रउड) के सदस्य देशों के शासन प्रमुखों की परिषद (उलऋ) की 23वीं बैठक में भाग लेने के लिए सात प्रधानमंत्री, एक उपराष्ट्रपति और एक विदेश मंत्री अगले सप्ताह इस्लामाबाद पहुंचेंगे।

पाकिस्तान को पहली बार मिली मेजबानी

पाकिस्तान पहली बार 15 से 16 अक्टूबर तक शंघाई सहयोग संगठन की बैठक की बैठक की मेजबानी कर रहा

है। सीएचजी एससीओ का दूसरे सर्वोच्च निकाय है। एससीओ सम्मेलन में चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग, रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तीन के साथ ही बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के उनके समकक्ष भी शामिल होंगे।

बैठक में जयशंकर होंगे शामिल

एससीओ सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति भी बैठक में शामिल होंगे। पर्यवेक्षक राज्य के रूप में मंगोलिया के प्रधानमंत्री और तुर्कमेनिस्तान के विदेश मंत्री विशेष अतिथि के रूप में बैठक में भाग लेंगे। अफगानिस्तान सीएचजी की बैठक में भाग नहीं लेगा, क्योंकि बीजिंग स्थित एससीओ सचिवालय ने काबुल को इसमें शामिल होने के लिए निमंत्रण नहीं भेजा है।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इसमें भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक भी शामिल है या नहीं। इसके पहले भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने यात्रा के दौरान पाकिस्तान के साथ किसी भी बातचीत की संभावना से इनकार किया था।

'दोस्ती बढ़ाने नहीं जा रहा'

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने पाकिस्तान यात्रा के बारे में कहा था, 'मैं वहां भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने नहीं जा रहा हूं। मैं वहां एससीओ का एक अच्छा सदस्य बनने जा रहा हूं। लेकिन आप जानते हैं, चूंकि मैं एक विनम्र और सभ्य व्यक्ति हूं, इसलिए मैं उसी के अनुसार व्यवहार करूंगा।'